संपादक: रतन प्रकाश सिंह

हर सुबह, सच्चाई के संग...जोश के साथ

www.swarajjagran.in

स्वराज जागरण

लखनऊ से प्रकाशित हिंदी दैनिक

लखनऊ, गुरुवार
02 अप्रैल 2026
वर्ष: 04, अंक: 292
पृष्ठ: 08, मूल्य: ₹2.00/-

अंदर के पृष्ठ
हम तो सूर्य के उपासक, अंधेरे में डकैती डालने वालों... » 02
भारत की पहली 'डिजिटल जनगणना'क्रांति का.. » 08

@SwarajJagran_up SwarajJagranLucknow swarajjagran.up@gmail.com RNI No: UPHIN/2023/90299

संक्षिप्त समाचार

प्री-मानसून का असर: अगले चार दिन बरसेंगे बादल

» नई दिल्ली, एजेंसी।

अप्रैल की शुरुआत के साथ ही देशभर के मौसम में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। बीते दिनों जहां कई क्षेत्रों में तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही थी, वहीं अब एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम ने करवट ले ली है। इसके असर से देश के कई हिस्सों में बादल छाने, तेज हवाएं चलने, गरज-चमक के साथ भारी बारिश होने और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की स्थिति बन रही है।

मौसम विभाग के अनुसार, 2 से 5 अप्रैल के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत मेंएक तीव्र पश्चिमी विक्षोभ के कारण 3 और 4 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में भारी बारिश और ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया ह

इंडिगो ने फिर किराये में ईंधन सरचार्ज बढ़ाने का किया ऐलान

» नई दिल्ली, एजेंसी।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स पर फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने का एलान किया है। यह कदम एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में हुई तेजी के कारण उठाया गया है। कंपनी ने इससे पहले 14 मार्च को फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया था।

कंपनी ने तर्क दिया कि, इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के आंकड़ों के मुताबिक जेट फ्यूल की कीमतें पिछले महीने में 130 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गई हैं। इसी वजह से सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने का फैसला किया है। नए फ्यूल चार्ज के साथ टिकटों की कीमतें दो अप्रैल रात 12:01 बजे से लागू होंगी। इसके तहत घरेलू उड़ानों में अधिकतम 950 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में अधिकतम दस हजार रुपये तक अतिरिक्त शुल्क लगेगा।

चांद के पार की तैयारी, चार अंतरिक्ष यात्री जाएंगे डीप स्पेस

54 साल बाद आर्टेमिस-2 आज रचेगा नया इतिहास

नासा का ऐतिहासिक मिशन: 10 दिन की ऐतिहासिक यात्रा शुरू

» वॉशिंगटन, एजेंसी।

करीब 50 साल बाद एक बार फिर इंसान चांद की ओर बढ़ने जा रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा पहला मानव मिशन आर्टेमिस-2 लॉन्च करने को तैयार है। चार अंतरिक्ष यात्रियों- क्रिस्टीना कोच, विक्टर ग्लोवर, रीड वाइसमैन और जेरेमी हैनसेन को लेकर एसएलएस रॉकेट भारतीय समयानुसार बृहस्पतिवार सुबह 4 बजे फ्लोरिडा से उड़ान भर सकता है। यह 10 दिवसीय यात्रा इंसानों को पृथ्वी से 4.06 लाख किलोमीटर दूर ले जाएगी, जो अब तक की सबसे लंबी दूरी होगी।

नासा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लोगों को इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने का न्योता दिया है। एजेंसी ने कहा कि यह मिशन इंसानों को चांद और आगे मंगल ग्रह तक बसाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

नासा का आर्टेमिस-2 मिशन चांद की परिक्रमा से कहीं आगे की कहानी है। 54 साल बाद इंसानों की

यह यात्रा सिर्फ ऐतिहासिक नहीं, भविष्य की लंबी अंतरिक्ष यात्राओं के लिए निर्णायक वैज्ञानिक प्रयोग भी है। नासा के अनुसार आर्टेमिस-2, मिशन चार अंतरिक्ष यात्रियों को लगभग 10 दिन की यात्रा पर चांद के चारों ओर ले जाएगा। 1972 के बाद पहली बार इंसान पृथ्वी के मैनेटिक फोल्ड से बाहर जाएगा और यह दूरी अब तक की किसी भी मानव अंतरिक्ष यात्रा से अधिक हो सकती है। यह मिशन आर्टेमिस प्रोग्राम की उस श्रृंखला का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य चांद पर स्थायी मानव उपस्थिति स्थापित करना है। यह बेहद महत्वपूर्ण होगा।

आर्टेमिस-2 मिशन की लॉन्चिंग की तारीखों में हाल ही में कुछ बदलाव किए गए हैं। मूल रूप से इस मिशन को 6 से 8 फरवरी 2026 के बीच लॉन्च करने की योजना थी। लेकिन रॉकेट में ईंधन भरने के परीक्षणों के दौरान आई कुछ समस्याओं के कारण नासा को इसकी लॉन्चिंग टालनी पड़ी। इसके बाद नासा ने मार्च (6 से 9 मार्च और 11 मार्च) के लिए भी संभावित लॉन्च विंडो तय की थी, लेकिन मिशन उन तारीखों पर उड़ान नहीं भर सका।

लगातार परीक्षणों और तैयारियों के बाद अब नासा इस ऐतिहासिक मिशन को 1 अप्रैल 2026 को लॉन्च करने की तैयारी कर ली है। 1 अप्रैल की शाम को इसे फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जा सकता है। जिस वक्त आर्टेमिस-2 की लॉन्चिंग होगी, भारत में 2 अप्रैल को सुबह होगी।

इस बीच अगर मौसम या किसी अन्य तकनीकी कारण से 1 अप्रैल को लॉन्चिंग संभव नहीं हो पाती है, तो 3 से 6 अप्रैल और 30 अप्रैल को यह लांच हो सकेगा। कुल मिलाकर, नासा अब अप्रैल 2026 में ही इस मिशन को अंतरिक्ष में भेजने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

चिप के जरिये होगा शरीर में बदलावों का विश्लेषण

इस मिशन का सबसे उन्नत प्रयोग ऑर्गन ऑन-ए-चिप तकनीक है। प्रत्येक अंतरिक्ष यात्री के रक्त से प्राप्त कोशिकाओं को माइक्रोचिप पर विकसित किया जाएगा। एक चिप अंतरिक्ष में जाएगी और दूसरी पृथ्वी पर रहेगी। मिशन के बाद तुलना कर यह देखा जाएगा कि डीएनए डैमेज, टेलीमीयर लंबाई और अन्रे जैविक संकेतकों में कितना अंतर आया। यह पहली बार होगा जब ऐसो प्रयोग लो-अर्थ ऑर्बिट से बाहर किया जा रहा है। इस तकनीक का सबसे बड़ा महत्व भविष्य में सामने आएगा, जब नासा किसी भी संभावित अंतरिक्ष यात्री के शरीर पर डीप स्पेस के प्रभावों का पहले से अनुमान लगा सकेगा।

पीएम मोदी की उच्चस्तरीय बैठक

जनता पर नहीं पड़ने देंगे असर, हमारी तैयारी पूरी

जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त निर्देश

» नई दिल्ली, एजेंसी।

ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच बुधवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक हुई। बैठक में रसोई गैस, पाइप से मिलने वाली प्राकृतिक गैस और पेट्रोलियम उत्पादों की स्थिति की समीक्षा की गई और नागरिकों पर संकट का असर कम करने के निर्देश दिए गए। यह दूसरी बार है जब इस संघर्ष के बीच उच्चस्तरीय समीक्षा की गई है।

सरकार ने रसोई गैस की आपूर्ति बनाए रखने के लिए विभिन्न देशों से खरीद के स्रोत बढ़ाए हैं, जबकि पाइप से मिलने वाली गैस कनेक्शन के विस्तार पर भी जोर दिया गया। गर्मियों में बिजली की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गैस आधारित बिजली संयंत्रों को राहत देने और तापीय बिजली घरों तक कोयला पहुंचाने के लिए मालगाड़ियों की संख्या बढ़ाई गई है। तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति भी अलग-अलग देशों से सुनिश्चित की जा रही है।

बैठक में बताया गया कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए रसोई गैस की कीमतें स्थिर हैं और जमाखोरी व कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त निगरानी की जा रही है। उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने के लिए यूरिया उत्पादन और डीएपी उर्वरक की आपूर्ति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, साथ ही राज्यों को छापेमारी और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने आम लोगों की बुनियादी जरूरतों की उपलब्धता का जायजा लेते हुए खरीफ और रबी सीजन के लिए उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही गलत सूचना और अफवाहों पर रोक लगाने के लिए जनता तक सही जानकारी पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

चंडीगढ़ में पंजाब बीजेपी ऑफिस पर ग्रेनेड अटैक, जांच में जुटीं एजेंसियां

दूर तक गूंजी आवाज, मचा हड़कंप, पूरे शहर में अलर्ट

» चंडीगढ़, एजेंसी।

पंजाब व हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ में बम ब्लास्ट हुआ है। बुधवार दोपहर बाद सेक्टर-37 स्थित भाजपा मुख्यालय के बाहर धमाका होने से वहां अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि धमाके की आवाज दूर तक सुनाई दी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं और जांच शुरू कर दी गई है।

घटना के बाद वहां दशहत का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी है। वहीं आसपास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। वहीं भाजपा कार्यालय में हैंड ग्रेनेड फेंकने का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दो लोग बम फेंकते दिखाई दे रहे हैं।

जानकारी के अनुसार शाम करीब पांच बजे सेक्टर-37 स्थित पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाहर एक स्कूटी खड़ी थी, उसमें जोरदार

धमाका हुआ है। धमाके में किसी कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। चंडीगढ़ की एसएसपी और आईजी पुष्पेंद्र कुमार मौके पर पहुंच गए थे। यह स्कूटी किसकी थी अभी कोई सूचना नहीं है। भाजपा कार्यालय के भीतर कोई नुकसान नहीं है। वहीं फायर ब्रिगेड, डॉग स्क्वायड, बम स्क्वायड को भी मौके पर बुलाया गया है। फॉरेंसिक टीम भी मौके पर मौजूद है और नमूने जुटाए जा रहे हैं। इस घटना के बाद पूरे शहर में अलर्ट कर दिया गया है।

इस घटना को लेकर चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप कौर का कहना है कि शाम करीब 5 बजे हमें सूचना मिली कि सेक्टर 37 में भाजपा दफ्तर के पास धमाके की आवाज सुनी गई। हमारी टीमें यहां पहुंच गई और पहली नजर में ऐसा लगता है कि यहां एक छोटा, देसी किस्म का बम फेंका गया था। एनआईए, एफएसएल, चंडीगढ़ पुलिस, क्राइम ब्रांच और क्राइम सेल की टीमें घटनास्थल पर पहुंच चुकी हैं। हम जांच कर रहे हैं।

अमेजन पर ईरान का 'सर्जिकल स्ट्राइक' बहरीन स्थित डेटा सेंटर पर भीषण हमला

पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव, बरसीं ईरानी मिसाइलें, बैंकिंग सिस्टम ठप

» तेहरान, एजेंसी।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। ईरान ने बहरीन की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी बटेलको के मुख्यालय पर ड्रोन और मिसाइल से हमला कर दिया है। पहली नजर में यह हमला किसी टेलीकॉम कंपनी पर लग सकता है, लेकिन इसकी इनसाइड स्टोरी बेहद चौंकाने वाली है। दरअसल, इसी बिल्डिंग से दुनिया की सबसे बड़ी क्लाउड कंप्यूटिंग कंपनी अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) का पूरा सिस्टम ऑपरेट हो रहा था।

यह इतिहास में पहली बार है जब ईरान ने सीधे तौर पर किसी अमेरिकी टेक कंपनी के फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर, डाटा सेंटर को निशाना बनाया है। इस हमले के बाद बहरीन और उसके आस-पास के देशों में अफरा-तफरी का माहौल है। अमेजन के सर्वर डाउन होने की वजह से कई

बड़े कॉर्पोरेट नेटवर्क, स्थानीय बैंकिंग सिस्टम और एयरलाइन रिजर्वेशन सिस्टम अचानक ठप पड़ गए हैं।

बहरीन के गृह मंत्रालय ने की पुष्टि

बहरीन के गृह मंत्रालय ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया है कि देश की सिविल डिफेंस टीमें मौके पर आग बुझाने के काम में जुटी हुई हैं। हालांकि, सुरक्षा कारणों को देखते हुए सरकार ने अभी तक कंपनी के नाम, इसमें हुए नुकसान या किसी के हताहत होने का आधिकारिक तौर पर खुलासा नहीं किया है।

मंगलवार को दी थी चेतावनी

हाल ही में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने खुलेआम चेतावनी दी थी कि वे अमेरिका और इस्राइल से जारी जंग के बीच अब अमेरिकी टेक कंपनियों को निशाना बनाएंगे। ईरान ने कहा था कि वह इस क्षेत्र में काम कर रही उन सभी कंपनियों को निशाना बना सकता है जिनके तार अमेरिका से जुड़े हैं। ईरान ने बाकायदा माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और एपल जैसी 18 दिग्गज कंपनियों का नाम लेकर उन्हें आगाह किया था।

अमेजन कंपनी ने पिछले हफ्ते कहा था कि वह अपने क्लाउड ट्रैफिक को दूसरे सुरक्षित देशों के डाटा सेंटर्स में शिफ्ट करने में जुटी है। अमेजन की क्लाउड विंग अमेजन वेब सर्विसेज ने खुद माना है कि इस युद्ध के चलते बहरीन में उनके ऑपरेशंस बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता फूलका अब भाजपा में शामिल

1984 दंगों के रहे हैं वकील, पंजाब को लेकर कयास

{ राजनीतिक दांव }

» नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील और आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता एच.एस. फूलका अब भाजपा में शामिल हो गए हैं। उनकी पहचान 1984 के सिख विरोधी दंगों के वकील के तौर पर रही है। वह लंबे समय तक इस मामले में केस लड़ते रहे हैं। उन्होंने 2019 के आम चुनाव में आम आदमी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन पराजय हो गई थी। फूलका ने दिल्ली में भाजपा की सदस्यता ली। इस मौके पर भाजपा की ओर से कई सिख चेहरे मौजूद थे। इनमें सीनियर नेता और मंत्री हरदीप सिंह पुरी शामिल थे। इसके अलावा दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव

तरुण चुघ इस मौके पर मौजूद थे।

फूलका को पार्टी में शामिल कराने के पीछे अगले साल होने वाले पंजाब चुनाव को देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि एक सिख चेहरा और वह भी दंगों के वकील रहे नेता को एंट्री देने से भाजपा को फायदा मिल सकता है। भाजपा बीते कई दशकों से राज्य में सिखों के बीच पैठ बनाने की कोशिश कर रही है।

#ईडी का कसा शिकंजा — 1000 करोड़ रुपये कीमत की तीन चीनी मिलें होंगी जब्त

पूर्व एमएलसी मोहम्मद इकबाल भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज जागरण ब्यूरो।

लखनऊ। बसपा सरकार में बहुचर्चित चीनी मिल घोटाले के आरोपी पूर्व एमएलसी मोहम्मद इकबाल उर्फ हाजी इकबाल पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) का शिकंजा और कस गया है। ईडी की पैरवी पर उन्हें लखनऊ की विशेष अदालत ने फ्यूगिटिव इकोनामिक अफेंडर्स एक्ट (एफईओए) के तहत भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया है। न्यायालय ने आरोपी इकबाल की लगभग 1000 करोड़ रुपये कीमत की देवरिया स्थित तीन चीनी मिलों डायनेमिक शुगर्स प्राइवेट लिमिटेड, हनीवेल शुगर्स प्राइवेट लिमिटेड और मैलो इन्फ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड को जब्त करने का निर्देश भी दिया। ईडी ने तीनों चीनों मिलों पर उन्हें केंद्र सरकार के कब्जे में लिए जाने का नोटिस चस्पा कर दिया है। आरोपी इकबाल बीते दिनों दुबई भाग निकला था।

ईडी ने इससे पूर्व निवेशकों से ठगी के मामले में शाइन सिटी के मुख्य संचालक राशिद नसीम को प्रदेश में पहली बार एफईओए के तहत भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कराया था। खास एक्ट के तहत भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किए पूर्व एमएलसी इकबाल प्रदेश के दूसरे ऐसा आरोपी है। बसपा सरकार में हुए चीनी मिल घोटाले में सीबीआइ लखनऊ की एंटी करप्शन ब्रांच ने 25 अप्रैल 2019 को केस दर्ज किया था। जिसे आधार बनाकर ईडी ने भी अपनी पड़ताल शुरू की थी और पूर्व एमएलसी मोहम्मद इकबाल के विरुद्ध वर्ष 2010-2011 में प्रिवेंशन आफ मनी लांड्रिंग के तहत केस दर्ज किया था।

ईडी की जांच में सामने आया था कि पूर्व एमएलसी ने नम्रता मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड व गिरियाशो कंपनी प्राइवेट लिमिटेड नाम की बोगस कंपनियां बनाई थीं।

इन बोगस कंपनियों के जरिए चीनी मिलों को खरीदा गया था। वर्ष 2010-11 के दौरान राज्य सरकार की सात चीनी मिलों का अधिग्रहण किया था, जिन्हें ईडी पहले अटैच कर चुकी है। ईडी ने पूर्व में सहारनपुर व दिल्ली स्थित मो. इकबाल के ठिकानों पर छापेमारी भी की थी। जांच में यह भी सामने आया कि मो. इकबाल व उनके परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में बड़ी रकम जमा की गई थीं।

खनन घोटाले में भी हुई थी कार्रवाई

सहारनपुर में हुए अवैध खनन के मामले में भी पूर्व एमएलसी मो. इकबाल के विरुद्ध जांच चल रही है। ईडी के लखनऊ स्थित जोनल कार्यालय की टीम ने बसपा के पूर्व एमएलसी मो. इकबाल की सहारनपुर स्थित ग्लोकल यूनिवर्सिटी की 121 एकड़ जमीन व सभी भवनों को जब्त किया था। जब्त संपत्ति की कीमत 4,440 करोड़ रुपये आंकी गई थी। ईडी ने चीनी मिल घोटाले में वर्ष 2021 में पूर्व एमएलसी इकबाल की 1097 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी। सूत्रों के अनुसार ईडी की जांच में सामने आया था कि वर्ष 2010 से 2012 के मध्य सहारनपुर व उसके आसपास अवैध खनन से हुई 500 करोड़ रुपये से अधिक की काली कमाई का निवेश एक यूनिवर्सिटी में किया गया था। इकबाल ने एक एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से यूनिवर्सिटी की जमीन खरीदी थी और निर्माण कराया था। ट्रस्ट का चेयरमैन इकबाल था और सभी ट्रस्टी उसके परिवार के ही थे।

वकालतनामे में यूएई के दस्तावेज

पूर्व एमएलसी मो. इकबाल के वकील की ओर से कोर्ट में एफईओए के विरुद्ध आपत्ति दाखिल की गई थी। उस वकालतनामे पर सील यूएई की थी। वकालतनामे पर भारतीय दूतावास के किसी अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं थे, जिससे यह प्रमाणित होता हो कि वकालतनामा पर हस्ताक्षर करने वाला व्यक्ति मो. इकबाल ही है। तब से ही इकबाल फरार है और उसके विरुद्ध वारंट जारी है।

CMYK

हम तो सूर्य के उपासक, अंधेरे में डकैती डालने वालों के लिए अंधेरा ही ठीक था

सीएम योगी ने 250 इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी वाहनों को किया फ्लैग ऑफ

» सीएम योगी बोले जनता ने राजनीतिक कचरा हटाया तो 9 वर्षों में स्वच्छ हुआ यूपी।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज जागरण।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह लखनऊ नगर निगम के बेहतर कूड़ा प्रबंधन के लिए पर्यावरण अनुकूल हरित ऊर्जा से संचालित 250 इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी वाहनों को फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने जब राजनीतिक कचरे को हटाकर बदलाव की नींव रखी, उसी का परिणाम है कि स्वच्छता के क्षेत्र में डबल इंजन सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रयास सफल रहे और रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि प्रदेश में 2017 के पहले सत्ताधारी दलों को अंधेरा पसंद था, लेकिन हम सूर्य के उपासक हैं और सूर्यवंशी श्रीराम के अनुज लक्ष्मणजी के नाम पर लक्ष्मणपुरी में विकास को आगे बढ़ा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नव निर्माण के 9 वर्षों में आज हमारा लखनऊ स्वच्छता रैंकिंग में देश के टॉप-3 शहरों में शामिल हुआ है। अब इस उपलब्धि को नई ऊंचाई देने के लिए हम 'नेट जीरो' लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं, जहां कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम हो और प्रदूषण रहित व्यवस्था विकसित हो। इसी दिशा में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को बढ़ावा देना एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल है, जो स्वच्छ और हरित भविष्य की नींव रखेगी। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से वर्ष 2017 में हमने स्ट्रीट लाइट व्यवस्था में व्यापक बदलाव किया। पहले हैलोजन की पीली लाइटें होती थीं, जो अधिक ऊर्जा खपत करती थीं, बदरंग दिखती थीं और कीड़े-मकोड़ों के कारण उनके नीचे खड़ा होना भी मुश्किल होता था। पिछली सरकारों के लिए यह व्यवस्था इसलिए सुविधाजनक थी, क्योंकि उन्हें बिजली देनी ही नहीं थी। जिनकी आदत डकैती डालना था, उनके लिए अंधेरा ठीक था। लेकिन हमारी सरकार ने तय किया कि बिना भेदभाव के 24 घंटे बिजली मिले और शहर की लाइटिंग भी एक समान, बेहतर और आधुनिक हो। इसी सोच के तहत पूरे शहर को एलईडी लाइटों से ÷दूधिया रोशनी÷ में बदलने का कार्य किया गया, ताकि हर नागरिक को सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल सके और अंधेरे की संस्कृति को समाप्त कर सभ्यता और विकास को आगे बढ़ाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आप उत्तर प्रदेश के किसी भी शहर में जाएं, एलईडी स्ट्रीट लाइटों की दूधिया रोशनी से पूरा शहर जगमगाता दिखाई देता है। नगर निगमों ने भी स्पाइरल लाइट लगाकर शहरों को और सुंदर बनाया है। रात में सड़कों पर सुरक्षित और आकर्षक वातावरण दिखता है। लखनऊ आने वाले लोग अब इसकी खूबसूरती की सराहना करते हैं। जहां पहले 2017 से पहले अंधेरा, असुरक्षा और सफाई की कमी महसूस होती थी, आज वही शहर रोशनी, स्वच्छता और व्यवस्थित विकास का उदाहरण बनकर सामने आया है। पिछले 9 वर्षों में लखनऊ ने स्वच्छता रैंकिंग के साथ-साथ हर क्षेत्र में विकास की नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। शहर का दायरा बढ़ा है, लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है, मेट्रो संचालन शुरू हुआ है और सड़कों के चौड़ीकरण, जल निकासी तथा बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से कनेक्टिविटी मजबूत हुई है। आज लखनऊ डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के एक उभरते हब के रूप में भी स्थापित हो चुका है।

सोलर सिटी अयोध्या से प्रभु के प्रति ज्ञापित की कृतज्ञता

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से 17 नगर निगमों तथा नोएडा-ग्रेटर नोएडा को मिलाकर 18 नगर निकायों को 'सेफ सिटी' के रूप में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ते हुए सीसीटीवी कवरेज दिया गया है और अब इन्हें 'सोलर सिटी' के रूप में विकसित किया जा रहा है। सूर्यवंशी श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या सोलर सिटी के रूप में विकसित हो गई है। लखनऊ में भी इसी प्रकार सोलर पैनल लगाकर कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 4.25 लाख रुपए से अधिक घरों में रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं, जिससे करीब 1500 मेगावाट बिजली उत्पादन हो रहा है और लोगों के बिजली बिल आधे से कम हो गए हैं। ऐसे प्रयास न केवल लोगों को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि शुद्ध और ग्रीन एनर्जी को भी बढ़ावा देते हैं। अयोध्या में 40 मेगावाट का सोलर प्लांट लगाकर पूरी प्रकाश व्यवस्था सोलर ऊर्जा से संचालित की जा रही है, जो इसे सोलर सिटी के रूप में स्थापित करती है और प्रभु श्रीराम के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक भी है।

लखनऊ बन रहा क्लीन सिटी और ग्रीन सिटी

मुख्यमंत्री ने कहा कि डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल इस अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। पिछले दिनों लखनऊ के लोकप्रिय सांसद माननीय राजनाथ सिंह द्वारा 200 से अधिक ऐसे वाहनों को हरी झंडी दिखाई गई थी, अब 250 नए वाहन लखनऊ के हर वार्ड में लगाए जा रहे हैं, जिससे घर-घर कूड़ा प्रबंधन को और सशक्त किया जाएगा और शहर को क्लीन सिटी, ग्रीन सिटी बनाने की दिशा में गति मिलेगी।

अशोक लीलैंड के बाद अब टाटा की यूनिट शुरू होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश में पब्लिक ट्रांसपोर्ट, विशेषकर मेट्रो संचालन में अग्रणी बनकर उभरा है। लखनऊ, कानपुर, आगरा, मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा-ग्रेटर नोएडा सहित 7 शहरों में मेट्रो सेवा शुरू हो चुकी है। बेहतर पब्लिक ट्रांसपोर्ट के कारण यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। केवल लखनऊ में ही प्रतिदिन लगभग एक लाख लोग मेट्रो से यात्रा कर रहे हैं। यह स्पष्ट करता है कि जनता को सुविधा चाहिए और उसे उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है, जिसे सरकार प्रभावी ढंग से निभा रही है। इलेक्ट्रिक बस सेवा का तेजी से विस्तार किया जा रहा है और सिटी बस सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक बसों में बदला जा रहा है।

हाईवे पर एलपीजी टैंकर में रिसाव के बाद हाईवे सील

दहशत का माहौल, लखनऊ तक लगा जाम

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज जागरण।

लखनऊ। लखनऊ-अयोध्या नेशनल हाईवे पर बुधवार शाम सफेदाबाद के पास एलपीजी गैस से भरे टैंकर में अचानक रिसाव शुरू हो गया। देखते ही देखते हालात इतने गंभीर हो गए कि अफरातफरी व दहशत के बीच भारी पुलिस बल ने घटनास्थल से करीब 500-500 मीटर पहले ही हाईवे को दोनों ओर से सील कर यातायात रोक दिया।

एहतियातन क्षेत्र की बिजली आपूर्ति भी बंद कर दी गई। रात करीब 10 बजे इंडियल ऑयल के एक्सपर्ट मौके पर पहुंचे। करीब पांच घंटे अफरातफरी व भीषण जाम रहा। दोनों ओर करीब 10 किमी से अधिक लंबा जाम लगा। इसके अलावा किसान पथ व देवा रोड पर डायवर्जन के बाद यातायात का दबाव बढ़ गया है। कई एंबुलेंस अभी फंसी। हालात सामान्य होने का इंतजार है। रात करीब 10 बजे एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि रिसाव रोकने के लिए टीम मौजूद है।

लागू होगी फार्मर रजिस्ट्री, सीएम ने दिए आईडी बनाने के निर्देश

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज जागरण।

लखनऊ। किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ सरल, पारदर्शी और बिना भटकाव के दिलाने के लिए प्रदेश सरकार ने फार्मर रजिस्ट्री को तेजी से लागू करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उच्च स्तरीय बैठक में इस संबंध में अहम निर्देश दिए हैं। जिसमें स्पष्ट कहा है कि हर पात्र किसान का पंजीकरण प्राथमिकता पर किया जाए। इसके लिए प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में जल्द विशेष शिविर लगाए जाएं, ताकि कोई भी किसान इस व्यवस्था से बाहर न रह जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री को कृषि क्षेत्र की एकीकृत डिजिटल प्रणाली के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके जरिये कृषि विभाग के साथ-साथ उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता और लघु सिंचाई विभागों की योजनाएं एक प्लेटफॉर्म से जुड़ेंगी। इससे किसानों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। सीएम ने कहा कि योजना का क्रियान्वयन शत प्रतिशत तय समय सीमा में किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही पर कार्रवाई की जाएगी।

त्रुटियां प्राथमिकता पर सुधारें

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना समेत अन्य योजनाओं में नाम, खाते या अभिलेखों की किसी भी त्रुटि को आधार से लिंक कर प्राथमिकता के आधार पर सुधारा जाए। हर पात्र किसान का किसान पहचान पत्र बनाना भी अनिवार्य किया गया है, जिससे पात्रता का सत्यापन आसान हो और भुगतान में दिक्कत न आए। सरकार ने इसके लिए सख्त समय सीमा तय की है।

स्कूल चलो अभियान का जिलाधिकारी ने किया शुभारंभ, निःशुल्क दीं पाठ्य पुस्तकें

» स्वराज जागरण संवाददाता।

हमीरपुर। कलेक्ट्रेट स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सभागार से जिला पंचायत अध्यक्ष जयन्ती राजपूत की उपस्थिति में जिलाधिकारी घनश्याम मीना द्वारा परिषदीय विद्यालयों में स्कूल चलो अभियान का शुभारम्भ किया गया। साथ ही नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित की गयीं।

इस अवसर पर डीएम ने बताया कि शिक्षा के प्रति जनजागरूकता हेतु यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। हर बच्चे को शिक्षा मिले, इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि आज से नवीन शिक्षा सत्र का शुभारम्भ हुआ है। एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इसलिए यह आवश्यक है कि शतप्रतिशत बच्चों का नामांकन कराया जाए। उन्होंने शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि हर घर तक पहुंच बनाई जाए, ताकि एक भी बच्चा न छूटे।

उन्होंने जानकारी दी कि ड्रेस, बैग, जूते, मोजे आदि हेतु 1200 रुपये प्रति बच्चा दिया जा रहा है तथा प्रत्येक बच्चे को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराई जा रही हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रत्येक परिषदीय विद्यालय में मिड-डे मील के तहत गुणवत्तापूर्ण भोजन, खेल के मैदान, झूले, फर्नीचर, वाटर कूलर व आरओ आदि की व्यवस्था की गई है।

परिषदीय बच्चों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के लिए 80 प्रतिशत से अधिक विद्यालयों में स्मार्ट कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। जनपद के 200 से अधिक विद्यालयों में कॉन्वेंट स्कूलों की तरह बेहतर शिक्षा देने का प्रयास किया जा रहा है। कायाकल्प के तहत प्रत्येक विद्यालय को सभी 19 पैरामीटरों से संतृप्त किया गया है। जनपद में शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जो प्रयास किया गया है, उसकी सरकार द्वारा सराहना भी व्यक्त की गई है।

उन्होंने जनपद के सभी शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा अपने दायित्वों का निर्वाहन किया गया है, अब आप सभी का दायित्व है कि बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा प्रदान करें। शिक्षक और बच्चे का बहुत गहरा संबंध होता है।

इस मौके पर नगर पालिका के चेयरमैन कुलदीप निषाद, सांसद प्रतिनिधि अशोक तिवारी, भाजपा पदाधिकारी गणेश यादव, सीडीओ अरूण कुमार सिंह, बीएसए आलोक कुमार, जिला सूचना अधिकारी सतीश कुमार सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी व अन्य शिक्षक गण आदि मौजूद रहे।

मानकों को ताक में रखकर चल रही दाल मिल में लगी भीषण आग, लाखों हुए स्वाहा

» स्वराज जागरण संवाददाता।

हमीरपुर। राठ कस्बे के गल्ला मंडी क्षेत्र स्थित एक दाल मिल में बुधवार को संदिग्ध परिस्थितियों में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि मिल में रखी भारी मात्रा में दाल जलकर राख हो गई। अग्निशमन उपकरणों के अभाव में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार दोपहर में मिल से अचानक धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग की लपटों ने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। काला धुआं उठता देख आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। फैक्ट्री में रखी तैयार और कच्ची दाल पूरी तरह जल गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मिल बिना सुरक्षा मानकों के संचालित हो रही थी। सबसे बड़ी लापरवाही यह रही कि परिसर में आग बुझाने के लिए कोई अग्निशमन यंत्र मौजूद नहीं था। यदि शुरुआती स्तर पर संसाधन होते तो आग पर काबू पाया जा सकता था, लेकिन लापरवाही के चलते नुकसान बढ़ गया।

सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल कर्मियों की मुस्तैदी से आग को आसपास की दुकानों और गोदामों तक फैलने से रोक लिया गया।

न्यूज ब्रीफ

भंडारे में चले ईंट-पत्थर, चाचा-भतीजे का सिर फूटा

» स्वराज जागरण संवाददाता।

हमीरपुर। क्षेत्र के ग्राम विदोखर मेंदनी में भंडारे के दौरान विवाद होने पर जमकर ईंट-पत्थर चले। चार सगे भाइयों ने मिलकर चाचा-भतीजे का सिर फोड़ दिया, जिससे दोनों लहूलुहान हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों में दहशत फैल गई।

विदोखर मेंदनी निवासी सीताराम ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उन्होंने गांव के मंदिर में भंडारे का आयोजन किया था। भंडारे में शिवमोहन के पुत्र सुरेन्द्र, वीरेन्द्र, नरेन्द्र और लमानी को भी आमंत्रित किया गया था। खाना खाते समय चारों युवक बेवजह गाली-गलौज करने लगे। मना करने पर उन्होंने अचानक पत्थरबाजी शुरू कर दी, जिससे भगदड़ मच गई।

पत्थर लगने से सीताराम और उनके भतीजे का सिर फूट गया और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह स्थिति को संभाला और घायलों को उपचार के लिए भेजा।

थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि चारों आरोपियों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सिलिंडर न मिलने से नाराज महिलाओं ने कटरा-उन्नाव मार्ग पर लगाया जाम

माधौगंज। रसोई गैस सिलिंडर न मिलने से नाराज महिलाओं ने बुधवार को कटरा-उन्नाव मार्ग पर सिलिंडर रखकर जाम लगा दिया। गैस एजेंसी तक आने पर सिलिंडर न दिए जाने पर महिलाओं ने संचालक पर मनमानी का आरोप लगाया। इससे करीब 15 मिनट तक हाईवे पर यातायात बाधित रहा। पुलिस ने महिलाओं को समझाकर हाईवे खाली कराया।

ब्लॉक मुख्यालय के निकट रूदामऊ में इंडेन गैस एजेंसी है। बुधवार को महिलाएं गैस सिलिंडर लेने पहुंची तो, गैस एजेंसी बंद थी। इससे आक्रोशित गीता, पूजा, निवासी शेखनपुर, गुड़िया निवासी के क्योटी ख्वाजागीपुर, सुषमा माधौगंज, ममता निवासी अटवा कुरसठ, चंद्रानी आदि दर्जनों महिलाओं ने कटरा-उन्नाव हाईवे पर खाली सिलिंडर रख कर जाम लगा दिया। हाईवे पर जाम से दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई है।

हाईवे पर जाम और वाहनों की कतार लगने से पुलिस ने महिलाओं को समझा-बुझाकर मार्ग खाली कराया। गैस एजेंसी के कर्मचारी अमित गुप्ता ने बताया कि सर्वर डाउन होने के कारण एजेंसी पर कोई कार्य नहीं हो पा रहा था, इसकी सूचना एजेंसी के सूचना पट्ट पर चस्पा की गई थी। इस कारण कार्यालय बंद था। वहीं संचालक अखिलेश कुमार ने बताया कि 29 से 31 मार्च तक कटी हुई पर्चियों पर बुधवार को ही 331 सिलिंडर का वितरण कराया गया है। गोदाम में 205 सिलिंडर उपलब्ध है।

अराजकतत्वों ने खंडित की शनि देवता की मूर्ति, गांव में तनाव

कछौना। कोतवाली क्षेत्र के बेरुआ गांव में अराजकतत्वों ने मंदिर स्थापित शनि देवता की मूर्ति को खंडित कर दिया। बुधवार सुबह इसका पता चलने पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। घटना का पता चलने पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला। ग्राम प्रधान समेत गणमान्य लोगों ने आपसी सहयोग से यहां नई मूर्ति स्थापित करने का निर्णय लिया। पूर्व में भी यहां एक बार हनुमान जी की मूर्ति को खंडित किया जा चुका है।

बेरुआ गांव स्थित मंदिर ग्रामीणों की आस्था का केंद्र है। बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर में पूजा करने जाते हैं। रोज की तरह बुधवार की सुबह भी लवकुश द्विवेदी, मोनू सिंह, सुखवीर, आदि मंदिर में पूजा करने गए। इस दौरान यहां स्थापित शनि देवता की मूर्ति क्षतिग्रस्त मिली। मूर्ति का हाथ टूटा हुआ था। इसकी जानकारी होते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। कुछ ही देर में प्रधान वाहिदा के पुत्र गुड्डू भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को दी। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना को लेकर जांच शुरू की। ग्रामीणों को भी समझाया। इसके बाद मामला शांत हुआ।

ग्राम प्रधान के प्रतिनिधि गुड्डू ने खंडित प्रतिमा को हटवाकर दूसरी प्रतिमा स्थापित करवाने का भरोसा दिया। इसके बाद मामला शांत हुआ। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी सुबोध गौतम ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। किसी असामाजिकतत्व ने घटना को अंजाम दिया है। जल्द से जल्द आरोपी की तलाश की जाएगी।

मानसिक बीमार मजदूर ने शर्ट से फंदा लगाकर की खुदकुशी

भरावन। अतरौली थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव के सामने मजदूर ने यूकेलिप्टस के पेड़ पर शर्ट से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक के पारिवारिक भतीजे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। लखनऊ के माल थाना क्षेत्र अंतर्गत खखरा मजरा अदमापुर निवासी रज्जन (35) मजदूरी करते थे। हर वर्ष चार माह के लिए वह अतरौली थाना क्षेत्र के चत्तुरखेड़ा स्थित ईंट भट्ठे पर परिवार समेत मजदूरी करने आते थे। उनके पारिवारिक भतीजे राकेश ने बताया कि रज्जन पिछले तीन माह से मानसिक रूप से बीमार चल रहे थे।

ब्लैक डे: नई पेंशन योजना के विरोध में काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

विरोध करने विभिन्न विभागों के शिक्षक-कर्मचारी हुए शामिल

» स्वराज जागरण संवाददाता।

हमीरपुर। अटेवा पेंशन बचाओ मंच उत्तर प्रदेश के आह्वान पर जनपद इकाई हमीरपुर द्वारा ब्लैक डे मनाया गया। इसमें जनपद के समस्त शिक्षक और कर्मचारी साथियों ने नई पेंशन योजना के विरोध में बांहों में काली पट्टी बांधकर अपने-अपने कार्यस्थलों पर रहकर विरोध प्रदर्शन किया।

इस मौके पर जिला महासचिव कमल किशोर ने बताया कि सरकार ने आज ही के दिन वर्ष 2004 में पुरानी पेंशन योजना बंद कर असुरक्षित शेयर आधारित नई पेंशन योजना लागू की थी। जबकि विधायिका और न्यायपालिका में आज भी पुरानी पेंशन योजना लागू है। उन्होंने कहा कि सरकार से मांग है कि कार्यपालिका के कर्मचारियों को भी पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिया जाए। इस प्रदर्शन में मुख्य रूप से बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, लोक निर्माण विभाग, पंचायती विभाग, राजस्व विभाग, न्याय विभाग, कृषि विभाग, उद्यान विभाग, सिंचाई विभाग एवं उद्योग विभाग के कर्मचारी शामिल रहे।

सभी शिक्षक और कर्मचारियों को सहयोग के लिए जिले के संयोजक मान सिंह राजपूत ने आभार व्यक्त किया।

ट्रकों के बीच फंसे दोस्त को बचाने में युवक भी दबा, दोनों की मौत

हरदोई। बघौली प्रतापनगर मार्ग पर मंगलवार रात पैदल जा रहा युवक दो ट्रकों के बीच दब गया। युवक को बचाने की कोशिश में पहुंचा दोस्त भी दोनों ट्रकों की जद में आ गया। एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय में दम तोड़ दिया। घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से भाग निकले।

बघौली थाना क्षेत्र के ककरहिया निवासी पुष्पेंद्र (18) ने मवेशी पाल रखे हैं। इन मवेशियों का दूध बेचने के लिए वह गांव में ही स्थित एक डेयरी पर मंगलवार रात जा रहा था। गांव में ही रहने वाला उसका दोस्त कन्हैयालाल (19) भी दूध बेचने डेयरी जा रहा था। बघौली प्रतापनगर मार्ग पर रेलवे क्रासिंग के पास दो ट्रक आमने सामने से आने पर पुष्पेंद्र इनके बीच फंस गया। यह देखकर कन्हैयालाल उसे बचाने को दौड़ा। इस बीच दोनों ट्रकों के बीच में पुष्पेंद्र और कन्हैयालाल आ गए।

तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से थमी फसलों की कटाई

किसानों की फसलों को भारी नुकसान की आशंका

» स्वराज जागरण संवाददाता।

हमीरपुर। बीती रात तेज आंधी और बारिश ने जनपद में कृषि कार्य पूरी तरह से ठप कर दिया। रात में हुई जोरदार बारिश के बाद भोर होते ही किसान खेतों की ओर दौड़ पड़े और भीगे खेतों में कटी पड़ी फसलों को सहेजने की कोशिश में दिनभर जुटे रहे। अचानक बदले मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है।

रात करीब 11 बजे तेज आंधी के साथ हुई बारिश ने जमकर कहर बरपाया। तेज हवाओं के चलते कई जगह खड़ी फसलें भी गिर गईं, जिससे नुकसान की आशंका और बढ़ गई है। प्रकृति का यह रौद्र रूप देखकर किसानों की नींद उड़ गई और वे सुबह होते ही खेतों की ओर निकल पड़े।

किसान दिनभर भीगी फसलों को समेटने और नुकसान कम करने की कोशिश करते रहे। मौसम के इस बदलाव से गेहूं और अन्य रबी फसलों को काफी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। यदि मौसम जल्द साफ नहीं हुआ, तो किसानों की मेहनत पर पानी फिर सकता है।

25 साल पुलिस पेश नहीं कर पाई गवाह, बाइक चोर को न्यायालय उठने तक सजा

» स्वराज जागरण संवाददाता।

हरदोई। हरदोई जिले के न्यायालय में चल रहे बाइक चोरी और बरामदगी के मामले में पुलिस 25 साल में एक भी गवाह पेश नहीं कर पाई। ऐसे में सीजेएम रिचा वर्मा ने आरोपी को दोषी करार देते हुए न्यायालय उठने तक की सजा सुनाई। साथ ही, दो हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

शहर कोतवाली में 17 अक्तूबर 2001 को तत्कालीन कोतवाल ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि वह मझरेता पुलिया पर संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर रहे थे। इस दौरान एक बाइक पर दो लोग आते दिखाई दिए। पूछताछ में इन लोगों ने अपना नाम पता सीतापुर जनपद के शहर कोतवाली क्षेत्र के बांसमंडी निवासी राजू उर्फ रिजवान व बनारसी बताया था।

दावा किया गया था कि यह लोग जिस बाइक पर सवार थे, वह चोरी की है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। न्यायालय ने दोनों को जेल भेज दिया था। मामले की सुनवाई के दौरान रिजवान उर्फ राजू की मौत हो गई थी। सुनवाई के दौरान अभियोजन के पक्ष से कोई भी गवाह पेश नहीं किया जा सका।

बनारसी ने अधिवक्ता के साथ न्यायालय में पेश होकर जुर्म इकबाल प्रार्थना पत्र दाखिल किया। इस दौरान कहा कि वह गरीब है और मामला 25 साल पुराना हो चुका है। आगे से कोई गलत काम न करने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि मुकदमा नहीं लड़ना चाहता है। कम से कम सजा दिए जाने की अपील की।

पत्रावली का अवलोकन करने के बाद सीजेएम ने कहा कि आरोपी ने अपराध को स्वीकार कर लिया है। 25 साल में अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ एक भी साक्ष्य नहीं दे पाया है। सीजेएम ने अभियुक्त बनारसी को न्यायालय उठने तक की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दो हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

धनुषज्ञ लीला में गूंजे जयकारे, दर्शकों ने लिया आनंद, लक्ष्मण-परशुराम संवाद ने बांधा समां

संसार में भाई से अच्छा मित्र और संरक्षक नहीं: बाल व्यास

» रामलीला के मंच से भाईचारे का संदेश, उमड़ी दर्शकों की भीड़

» राम के आदर्शों का संदेश, रामलीला में दिखी आस्था।

» स्वराज जागरण संवाददाता।

बिवांर। मुस्करा विकासखंड के भरखरी गांव में जवारा मेला के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय रामलीला के दूसरे दिन मंगलवार-बुधवार की रात धनुषयज्ञ लीला का भव्य मंचन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक शामिल हुए और देर रात तक रामलीला का आनंद लिया।

दूसरे दिन सीता स्वयंवर और धनुषयज्ञ का दृश्य प्रस्तुत किया गया। जैसे ही भगवान राम ने धनुष भंग किया, पूरा पंडाल जयकारों से गूंज उठा। इसके बाद लक्ष्मण और परशुराम के बीच हुए तीखे संवादों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। कलाकारों के सजीव अभिनय ने सभी का मन मोह लिया। परशुराम की भूमिका निभा रहे पंडित बाल व्यास ने समाज को संदेश देते हुए कहा कि रामायण भगवान राम के आदर्शों का जीवंत संग्रह है, जिसे जीवन में अपनाने से मनुष्य का कल्याण होता है। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने भ्रातृ प्रेम का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है।

इस मौके पर यज्ञकिशोर द्विवेदी, देवेंद्र कुमार द्विवेदी, सुनील द्विवेदी, राजू पालीवाल, हरीश पालीवाल, द्रगपाल सिंह यादव, सत्य प्रकाश पाठक, हरिमाधव मिश्र, अवनीश पांडेय, अभिनय सिंह राठौर, निरंजन मिश्र, पुष्पेंद्र यादव, रामजी पाठक, धीरेन्द्र यादव, संदीप दुबे, सत्यम सैनी, दीपक नामदेव सहित हजारों दर्शक मौजूद रहे।

जवारा शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब, भक्ति में डूबा मुस्करा गाजे-बाजे और झांकियों के बीच निकली भव्य शोभायात्रा

» स्वराज जागरण संवाददाता।

हमीरपुर। मुस्करा कस्बा के ऐतिहासिक जवारा मेला की शोभायात्रा धूमधाम से गाजे-बाजे के साथ निकाली गई। सैकड़ों की संख्या में सांग धारण किए भक्तों और खप्पर में जवारे लिए महिलाओं ने कालका देवी मंदिर में मत्था टेका। लाखों की भीड़ के बीच पूरे कस्बे में भक्ति और उल्लास का माहौल देखने को मिला। साथ ही एक सप्ताह तक चलने वाले मेले का भी शुभारंभ हो गया।

कस्बा मुस्करा में 76 वर्ष पूर्व सन 1950 में चैत्र शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के दिन जवारे निकालने की परंपरा की शुरुआत हुई थी। विश्राम कुशवाहा व स्वर्गीय अमृतलाल दाऊ के देवालयों से बुधवार दोपहर शोभायात्रा प्रारंभ हुई, जिसमें घोड़े, बैंड-बाजे, डीजे और स्कूली झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। शोभायात्रा पुरवा मुहाल से होते हुए पंचायतघर मार्ग से शीतला देवी मंदिर पहुंची, जहां पान-बतासा चढ़ाया गया।

इसके बाद रामजानकी मंदिर में पूजन-अर्चन करते हुए गुदरिया बाबा में झंडा भेंट किया गया, जहां सैकड़ों भक्तों ने सांग धारण किए। भक्ति गीतों और अचरी के बीच श्रद्धालु झूमते नजर आए। गुदरिया बाबा से आगे बढ़ती शोभायात्रा डाकखाना और मस्जिद तिराहे होते हुए राठ-हमीरपुर मुख्य मार्ग पर पहुंची।

शाम होते ही मार्ग पर लगभग तीन घंटे तक यातायात, पूर्व सूचना के अनुसार, रूट डायवर्जन के तहत संचालित रहा। मुस्करा जवारा जुलूस में लगभग 40 गांवों के लोग शामिल हुए और लाखों की भीड़ उमड़ पड़ी। चारों ओर सिर ही सिर दिखाई दे रहे थे। सैकड़ों की संख्या में घोड़े, भजन-कीर्तन मंडलियां, बहरूपिया पार्टी और स्कूली झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। इस दौरान जेसीबी पर चढ़कर बर्तन लुटाने की परंपरा निभाई गई। साथ ही गेंद फेंकने और उसके बदले बर्तन पाने को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा गया।

जनपद में नवागत पुलिस अधीक्षक मृगांक शेखर पाठक ने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए गुदरिया बाबा स्थान तक रूट का भ्रमण किया। प्रभारी निरीक्षक योगेश तिवारी के नेतृत्व में राठ, क्षेत्राधिकारी मौदहा और मुस्करा थानों की पुलिस के साथ भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस ने स्वयंसेवकों के साथ बेहतर तालमेल बनाते हुए मेले की भीड़ और श्रद्धालुओं का कुशल प्रबंधन किया, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। सांग धारण किए भक्त मां जालपा देवी मंदिर में मत्था टेकते हुए कालिका देवी मंदिर पहुंचे, जहां शाम करीब 7.30 बजे शोभायात्रा का समापन हुआ। सैकड़ों महिलाओं ने सिर पर खप्पर में जवारे रखकर विसर्जन किया। ग्रामवासियों की ओर से जगह-जगह पेयजल और निःशुल्क शरबत की व्यवस्था की गई।

अपर पुलिस अधीक्षक ने किया मेला एवं जवारा जुलूस व्यवस्था का निरीक्षण

अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार गुप्ता ने मेला और जवारा जुलूस की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अलग-अलग स्थानों पर तैनात पुलिस बल की ड्यूटी का निरीक्षण किया और ड्यूटी में लगे कर्मियों की सतर्कता व अनुशासन की जांच करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए मेला समिति और जवारा जुलूस कमेटी के सदस्यों से वार्ता की। इस दौरान उपजिलाधिकारी मौदहा, क्षेत्राधिकारी मौदहा एवं थाना प्रभारी मुस्करा सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

कार्यशैली पर बढ़ते सवाल

ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजरायली कार्रवाई के बाद एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठे हैं। दिलचस्प यह है कि अमेरिका ने अतीत में जब भी ऐसी कार्रवाई की, उसने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों को लागू करने का बहाना बनाया। चूंकि मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलबेले राजनेता हैं, उनके लिए नियम-कायदों से ज्यादा उनकी अपनी जुबान और सोच मायने रखती है। इसलिए, ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की ओट लेने की औपचारिकता भी नहीं निभायी।

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का सबसे बड़ा कारण प्रथम व्रिव युद्ध के बाद गठित लीग ऑफ नेशंस की असफलता रही। भले ही लीग ऑफ नेशंस को 20 अप्रैल, 1946 को आधिकारिक रूप से भंग किया गया, परंतु उसके पहले ही, 24 अक्टूबर, 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना कर दी गयी। इसकी स्थापना के लिए बड़ा आधार जापान पर हुए अमेरिकी परमाणु बम हमले के बाद उपजी मानवीय त्रासदी रही।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना में शांति और सुरक्षा बनाये रखना था। पर प्रश्न यह है कि क्या वह अपने इस प्राथमिक उद्देश्य में सफल है? इस पर चर्चा से पहले संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर ध्यान देना जरूरी है, जिसके अनुसार संयुक्त राष्ट्र का मुख्य उद्देश्य, दुनियाभर में शांति बनाये रखना और संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान करना है। इसके साथ ही, उसका एक और मकसद राष्ट्रों के बीच समानता और आत्म निर्णय के सिद्धांतों के आधार पर दोस्ताना संबंधों का विकास करना भी रहा है।

संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में साफ लिखा है कि यह अंतरराष्ट्रीय संगठन बिना किसी जाति, लिंग, भाषा या धर्म के भेदभाव के पूरी दुनिया के मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देगा। उसका मकसद, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय समस्याओं को हल करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग स्थापित करने के साथ ही, गरीबी दूर करने, भूख, बीमारी और निरक्षरता से लड़ने तथा प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता प्रदान करने के लिए कार्य करना भी है।

इसके साथ ही, उसकी भूमिका अंतरराष्ट्रीय संधियों और कानूनों के प्रति सम्मान बनाये रखने के लिए प्रयास करने की भी है। कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र की भूमिका ऐसे समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करने की सोची गयी, जिसके मंच पर व्रिव के सभी राष्ट्र उसके साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम कर सकें। पर प्रश्न यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब न में है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य युद्धों को रोकना है। पर न तो यह शीत युद्ध को रोक सका, न ही मौजूदा दौर के संघर्षों को रोक पा रहा है। वर्ष 1991 के खाड़ी युद्ध के लिए तो अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव को ही बहाना बनाया था।

वर्ष 2001 में भी जॉर्ज बुश के बेटे जूनियर जॉर्ज बुश और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने भी इराक और अफगानिस्तान पर हमले के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों और उसकी सेना की ही ओट ली थी। वर्ष 1994 का रवांडा का नरसंहार हो, या फिर 2011 में दक्षिण सूडान में हुआ गृहयुद्ध, 1995 में सर्ब सेना द्वारा कया गया नरसंहार हो या फिर 2010 के दौरान कथित अरब क्रांति की आड़ में हुई मध्य एशिया की हिंसा, किसी को भी रोकने में संयुक्त राष्ट्र अभियान सफल नहीं रहा। संयुक्त राष्ट का मंच राष्ट्रों के बीच संवाद बढ़ाने और विवादों को सुलझाने के बजाय उनके बीच गाली-गलौज और आपसी आलोचना का केंद्रभर बनकर रह गया है।

अभी संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख और ताकतवर अंग सुरक्षा परिषद है। इसका गठन ही गैर-बराबरी को बढ़ावा देने का बड़ा आधार बन गया है। इसमें तीन राष्ट्र ऐसे हैं, जो अक्सर अपने वीटो शक्ति का इस्तेमाल नकारात्मक तरीके से करते हैं। अमेरिका, चीन और रूस की ज्यादातर भूमिका नकारात्मक रहती है। रही बात ब्रिटेन और फ्रांस की, तो उनकी भूमिका मध्यमार्गी है। हालांकि, वे भी महत्वपूर्ण मामलों में सीधे हस्तक्षेप करने की भूमिका को प्रभावी ढंग से नहीं निभा सकते। इसका ही असर है कि ईरान पर इजरायल और अमेरिका ने हमला कर रखा है तथा रूस एवं यूक्रेन के बीच चार वर्ष से युद्ध जारी है। मानवाधिकार के मुद्दों पर भी संयुक्त राष्ट्र प्रभावी नजर नहीं आता।

कोविड महामारी के दौरान जिस तरह व्रिव स्वास्थ्य संगठन ने तीसरी दुनिया के कमजोर देशों के साथ पक्षपातपूर्ण भूमिका निभायी, वह भी संयुक्त राष्ट्र की नाकामी का प्रतीक है। जब से ट्रंप ने अमेरिका की दोबारा कमान संभाली है, तब से उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को और पंगु बनाने की कोशिश की है। स्वास्थ्य संगठन समेत संयुक्त राष्ट्र के कई अंगों में उन्होंने अपनी आर्थिक भागीदारी और सहयोग घटाना शुरू कर दिया है। उनका मानना है कि संयुक्त राष्ट्र के मंचों के जरिये अमेरिकी करदाताओं की बड़ी रकम बेकार के कामों में खर्च हो रही है। ऐसे में, आने वाले दिनों में संयुक्त राष्ट्र की स्थिति और भी ज्यादा निरीह होने वाली है। ऐसे में यदि दुनिया के देश संयुक्त राष्ट्र के औचित्य पर ही सवाल उठाने लगें, तो दुनिया को हैरत नहीं होनी चाहिए।

डिजिटल संपदा पर बढ़ते खतरे, भारत को करनी होगी मजबूत रक्षा

यदि भारत का डाटा विदेशी कंपनियों के एआइ मॉडलों को प्रशिक्षित करता है और वही तकनीक बाद में भारत को महंगी सेवाओं के रूप में लौटती है, तो यह आधुनिक समय का डिजिटल उपनिवेशवाद बन सकता है।

पिछले कई महीनों से भारतीय डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर एक शांत, पर खतरनाक पैटर्न उभर रहा है। हमारे प्रमुख पोर्टलों पर अचानक चीनी आइपी एड्रेस से ट्रैफिक में भारी उछाल देखा गया है। यह व्यवहार किसी सामान्य यूजर का नहीं, बल्कि 'ऑटोमेटेड डाटा स्क्रैपिंग' का है। जब इन रास्तों को ब्लॉक किया जाता है, तो यही ट्रैफिक सिंगापुर और अन्य वैश्विक क्लाउड नोड्स के माध्यम से फिर से लौट आता है। यह कोई रैंडम प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक अत्यंत संगठित और औद्योगिक स्तर की डाटा माइनिंग है। यह संकेत है कि भारत का डिजिटल इकोसिस्टम बिना किसी स्पष्ट लाभ के, वैश्विक एआइ की दौड़ को ईंधन दे रहा है। आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मुख्य रूप से तीन स्तंभों पर टिका है - कंप्यूटिंग शक्ति, प्रतिभा और डाटा। कंप्यूट खरीदा जा सकता है और प्रतिभाओं को काम पर रखा जा सकता है, लेकिन डाटा वह बुनियादी तत्व है, जिसे लगातार 'हार्वेस्ट' करना पड़ता है।

'स्टैनफोर्ड एआइ इंडेक्स रिपोर्ट, 2024' स्पष्ट करती है कि जहां अमेरिका मॉडल बनाने में आगे है, वहीं चीन एआइ पेटेंट में, पर असली युद्ध डाटा के नियंत्रण का है। एआइ मॉडल्स अब स्थिर नहीं हैं, उन्हें हर पल अपडेट किया जाना आवश्यक है। वे नये व्यवहार और भाषाई लहजे को सीख रहे हैं। जो देश इन डाटा पाइपलाइनों को सुरक्षित कर लेते हैं, वे एआइ की रेस में आगे निकल रहे हैं, जबकि विदेशी प्रणालियों पर निर्भर देश रणनीतिक रूप से पिछड़ रहे हैं। भारत इस मामले में दुनिया की सबसे बड़ी 'डाटा रिफाइनरी' है। हमारे पास यूपीआइ के करोड़ों ट्रांजैक्शन, आधार से जुड़ी सेवाएं और ग्रामीण भारत का डिजिटल डाटा है। जितनी डाटा विविधता भारत के पास है, उतनी शायद ही किसी अन्य राष्ट्र के पास हो। हमारी 22 आधिकारिक भाषाएं एआइ के लिए अतुलनीय खजाना हैं। इसके बावजूद, भारत के पास अभी तक अपना कोई विशाल 'सॉवरेन फ्रंटियर मॉडल' नहीं है।

परिणामस्वरूप, हमारी अधिकांश कंपनियां और सरकारी विभाग विदेशी एआइ मॉडलों के भरोसे हैं। यहीं पर अर्थशास्त्र और भू-राजनीति का खतरनाक मेल दिखता है। एआइ की लागत आज सबसे बड़ा कारक है। जहां अमेरिकी कंपनियों के फ्लैगशिप मॉडल महंगे हैं, वहीं चीन की एआइ फर्में, अपने मॉडलों को बहुत ही कम कीमतों पर उतार रही हैं। सार्वजनिक रिपोर्ट बताती हैं कि चीनी एआइ मॉडलों का उपयोग अमेरिकी मॉडलों की तुलना में कई गुना सस्ता है। उभरते बाजारों में कंपनियां केवल तकनीकी श्रेष्ठता नहीं, किफायत देखती हैं। समय के साथ, यह 'सस्ती विदेशी बुद्धि' हमारे पूरे सिस्टम का आधार बन जायेगी। इस गणना में हम एक रणनीतिक चूक कर रहे हैं। एआइ अब केवल एक सॉफ्टवेयर टूल नहीं, भविष्य का 'कॉग्निटिव इंफ्रास्ट्रक्चर' (संज्ञानात्मक बुनियादी ढांचा) है।

यह तकनीक क्रेडिट स्कोरिंग, बीमा पॉलिसी, कृषि परामर्श और चिकित्सा निदान तक को नियंत्रित करेगी। यदि इस बुनियादी ढांचे की 'बुद्धि' विदेशी स्वामित्व वाली है, तो हमारे समाज के महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाले एल्गोरिदम भी विदेशी हितों से प्रभावित होंगे। यह एक प्रकार का 'डिजिटल उपनिवेशवाद' है, जहां भारत अपना कच्चा माल (डाटा) मुफ्त दे रहा है और बदले में तैयार माल (एआइ मॉडल) किराये पर ले रहा है।

इतिहास गवाह है कि जो देश केवल कच्चे माल का निर्यात करते हैं, वे कभी मूल्य श्रृंखला के शीर्ष पर नहीं पहुंचते।

यदि विदेशी कंपनियां हमारे डाटा से स्वयं को शक्तिशाली बनाकर वही तकनीक हमें बेचती हैं, तो यह एक गंभीर आर्थिक विषमता पैदा करेगा। भारत की घरेलू क्षमताएं इस निर्भरता के बोझ तले दम तोड़ देंगी। भारत सरकार ने 'इंडिया एआइ मिशन' के माध्यम से इस खतरे को पहचाना है। कंप्यूटिंग शक्ति के लिए फंड का आवंटन सही दिशा में कदम है, परंतु तकनीकी प्रगति की गति घातीय (एक्सपोनेंशियल) है। एआइ इकोसिस्टम बहुत जल्दी 'लॉक-इन' हो जाते हैं। एक बार जब कोई डेवलपर किसी विदेशी एपीआइ के इर्द-गिर्द अपना पूरा वर्कफ्लो तैयार कर लेता है, तो उसे बदलना लगभग असंभव होता है। नेटवर्क प्रभाव स्थापित होने के बाद नये खिलाड़ियों के लिए रास्ता बनाना कठिन होता है। आज भारत के सामने दो स्पष्ट विकल्प हैं। पहला, अल्पकालिक लागत पर ध्यान दें, विदेशी एआइ का उपभोग जारी रखें और अपनी बुद्धि को आउटसोर्स कर दें। दूसरा, एआइ को एक 'संप्रभु क्षमता' के रूप में देखें। इसके लिए हमें राष्ट्रीय स्तर के कंप्यूट क्लस्टर्स बनाने होंगे और डाटा स्क्रैपिंग के लिए कड़े कानून लाने होंगे।

हमें स्थानीय संदर्भों में प्रशिक्षित फाउंडेशन मॉडलों के विकास के लिए निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के बीच सहयोग स्थापित करना होगा। हालिया डाटा माइनिंग की घटनाएं चेतावनी है, वैश्विक ताकतें हमारे डाटा की कीमत हमसे बेहतर समझ रही हैं। आने वाली सदी उन राष्ट्रों की होगी जो डाटा से 'बुद्धि' का निर्माण करते हैं।भारत को अब यह तय करना है कि वह भविष्य के एआइ युग में निर्माता बनेगा या केवल एक ग्राहक। लंबे समय में, जो राष्ट्र अपनी 'बुद्धि' किराये पर लेते हैं, वे अंततः अपनी रणनीतिक स्वायत्तता भी खो देते हैं।

चर्चा: भावनात्मक कहानी के साथ असर छोड़ती फिल्म

भारत के संविधान ने देश की स्त्रियों को अनेक ऐसे लोकतांत्रिक अधिकार प्रदान किये हैं, जो पहले उनके पास नहीं थे। समानता का अधिकार, शिक्षा और रोजगार के अवसरों में भागीदारी तथा सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भूमिका जैसे प्रावधानों ने महिलाओं की स्थिति को मजबूत करने का रास्ता खोला है। पिछले कुछ दशकों में नारीवाद जैसी धारणा भी अधिक प्रभावशाली हुई है, जिसने पितृसत्तात्मक व्यवस्था और सामाजिक असमानताओं को चुनौती दी है। इसके बावजूद यह कहना कठिन है कि आज के भारत में महिलाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। कई मामलों में यह भी देखने को मिलता है कि आधुनिकता और शहरी विस्तार के बावजूद महिलाओं के सामने असुरक्षा और हिंसा के नये रूप सामने आ रहे हैं। समाज के विभिन्न स्तरों पर मौजूद यह विडंबना ही अनुभव सिन्हा की नयी फिल्म 'अस्सी' का मूल कथ्य बनकर सामने आती है।

यह फिल्म केवल अपने विषय के कारण दर्शकों को झकझोरती नहीं है, बल्कि अपनी कलात्मक प्रस्तुति और संवेदनशील दृष्टि के कारण भी अलग पहचान बनाती है। कहानी के माध्यम से यह दिखाने की कोशिश की गयी है कि हमारे शहर, विशेषकर महानगर, किस प्रकार बाहरी चमक-दमक के बावजूद भीतर से संवेदनहीन होते जा रहे हैं। सड़कों पर दौड़ती अनगिनत गाड़ियां, भीड़भाड़ और तेज रफ्तार जीवन के बीच मानवीय संवेदनाएं जैसे धीरे-धीरे कुचलती जा रही हैं। फिल्म इसी शहरी यथार्थ को पृष्ठभूमि बनाकर स्त्री असुरक्षा और न्याय व्यवस्था की जटिलताओं को सामने लाती है। कहानी की शुरुआत परिमा (कनी कुस्रुती) से होती है, जो एक साधारण जीवन जीने वाली स्कूल शिक्षिका है। उसके दो बच्चे हैं–एक बेटी और एक बेटा। उसका पति (जीशान अयूब) एक डिपार्टमेंटल स्टोर में काम करता है और सीमित आय के बावजूद परिवार को संभालने की कोशिश करता है।

पति का मित्र कार्तिक (कुमुद मिश्रा) भी उसी स्टोर में काम करता है। कार्तिक की अपनी एक अलग त्रासदी है– उसकी पत्नी का निधन हो चुका है और उसके जीवन में एक तरह का खालीपन और आंतरिक तनाव मौजूद है। यह पृष्ठभूमि आगे चलकर कहानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक रात परिमा जब स्कूल के काम से लौटते हुए घर जा रही होती है, तभी एक बड़ी कार में सवार कुछ युवक उसे जबरन उठा लेते हैं। वे उसके साथ दुष्कर्म करते हैं और उसे सड़क किनारे छोड़कर फरार हो जाते हैं। यहीं से फिल्म उस कठोर वास्तविकता की ओर मुड़ती है, जिससे ऐसी घटनाओं की पीड़ित महिलाओं को गुजरना पड़ता है। अपराध के बाद न्याय पाने की प्रक्रिया ही एक अलग संघर्ष बन जाती है। पुलिस की उदासीनता, जांच में लापरवाही और सबूतों के साथ होने वाली गड़बड़ियां इस संघर्ष को और कठिन बना देती हैं। फिल्म में दिखाया गया है कि जिस कार का उपयोग अपराध में हुआ, उसे पहले से चोरी की गयी गाड़ी घोषित कर दिया जाता है, जिससे आरोपियों तक पहुंचना और मुश्किल हो जाता है। पुलिस थाने से सीसीटीवी फुटेज या तो गायब हो जाते हैं या यह कहकर टाल दिया जाता है कि तकनीकी खराबी के कारण रिकॉर्डिंग उपलब्ध नहीं है। इस तरह न्याय की पूरी प्रक्रिया ही संदेह और अविश्वास से भर जाती है। पीड़िता को न केवल अपने आघात से जूझना पड़ता है, बल्कि उसे बार-बार यह साबित करने की भी कोशिश करनी पड़ती है कि उसके साथ वास्तव में अपराध हुआ है।

अदालत में भी स्थिति बहुत अलग नहीं होती। गवाही के दौरान होने वाला क्रॉस एग्जामिनेशन कई बार पीड़िता के लिए अत्यंत पीड़ादायक अनुभव बन जाता है। उससे ऐसे सवाल पूछे जाते हैं, जिनसे अपराधियों के बजाय उसी की नीयत और चरित्र पर संदेह खड़ा हो।

इस पूरी प्रक्रिया में न्याय की तलाश एक लंबी और थकाने वाली लड़ाई बन जाती है। फिल्म में एक समानांतर कथा भी चलती है, जो 'विजिलांते न्याय' यानी कानून अपने हाथ में लेने की प्रवृत्ति से जुड़ी है। कार्तिक उन आरोपियों में से दो की हत्या कर देता है, जिन पर परिमा के साथ दुष्कर्म में शामिल होने का आरोप है। वह हत्या के दौरान छतरी का उपयोग करता है, ताकि सीसीटीवी कैमरों में उसका चेहरा साफ दिखाई न दे। इसी कारण उसे 'छतरी वाला' कहा जाने लगता है। सोशल मीडिया पर उसकी एक तरह की नायक जैसी छवि बन जाती है और बहुत से लोग उसे न्याय का प्रतीक मानने लगते हैं।

लेकिन फिल्म यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उठाती है– क्या इस प्रकार का 'विजिलांते न्याय' वास्तव में न्याय है? परिमा की वकील की भूमिका निभा रही तापसी पन्नू इस विचार का विरोध करती हैं। उनका मानना है कि यदि हर व्यक्ति कानून को अपने हाथ में लेने लगे, तो समाज में अराजकता फैल जाएगी। उनके अनुसार न्याय केवल कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से ही संभव है, भले ही वह प्रक्रिया धीमी और जटिल क्यों न हो।

कहानी में यह भी सामने आता है कि कार्तिक के इस कदम के पीछे केवल परिमा के साथ हुई घटना ही नहीं, बल्कि उसका अपना व्यक्तिगत दर्द भी जुड़ा हुआ है। उसकी पत्नी एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुई थी, लेकिन उस मामले में भी दोषी पकड़े नहीं गये थे। इस अनुभव ने उसके भीतर व्यवस्था के प्रति गहरा आक्रोश पैदा कर दिया था। अंततः वह अदालत में अपने अपराध स्वीकार कर लेता है, लेकिन अदालत से बाहर निकलते ही उस युवक के पिता द्वारा मार दिया जाता है, जिसकी हत्या उसने की थी। इस तरह फिल्म यह संकेत देती है कि 'विजिलांते न्याय' का चक्र कभी खत्म नहीं होता, बल्कि एक नई हिंसा को जन्म देता रहता है।

द्रौपदी मुर्मू के ब्रज दौरे को खास बनाने में जुटा प्रशासन

गोवर्धन भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं की भूमि है। इसी पवित्र भूमि पर श्रीकृष्ण ने इंद्र के अहंकार के मर्दन को गिरिराज पर्वत को अपनी कनिष्ठ अंगुली के नख पर उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की थी। राष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था का खाका खींचा जा रहा है।

मंदिरों, परिक्रमा मार्ग और प्रमुख स्थलों की सफाई व सजावट का कार्य कराया जा रहा है। स्थानीय संत-महंत भी राष्ट्रपति के स्वागत की तैयारियों में जुटे हैं। राष्ट्रपति के आगमन से न केवल गोवर्धन बल्कि ब्रज क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। राष्ट्रपति का यह दौरा ब्रजभूमि के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है।

तेज हुआ अतिक्रमण हटाओ अभियान

गिरिराज तलहटी में राष्ट्रपति के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासन सतर्क है। क्षेत्र को साफ-सुथरा बनाने के लिए अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को पुलिस-प्रशासन की टीम ने आन्यौर परिक्रमा मार्ग पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान सड़क किनारे लगी अस्थाई दुकानों और अन्य अतिक्रमणों को हटाया गया। अधिकारियों ने दुकानदारों को सड़क और परिक्रमा मार्ग पर अतिक्रमण न करने की हिदायत दी। सीओ अनिल कुमार सिंह ने बताया कि परिक्रमा मार्ग और आसपास के क्षेत्रों में अभियान चलाया जा रहा है। कुछ स्थानों पर लोगों ने स्वयं ही अपना सामान हटा लिया जबकि अन्य जगहों पर प्रशासन ने अतिक्रमण हटवाया। एसडीएम प्रजात्का त्रिपाठी ने बताया की आने वाले दिनों में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी ताकि श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। गिरिराज तलहटी में राष्ट्रपति के आगमन को लेकर प्रशासन सक्रिय नजर आ रहा है। सुरक्षा व्यवस्था, सफाई, ट्रैफिक प्रबंधन और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों की लगातार बैठकें हो रही हैं। इनमें तैयारियों को अंतिम रूप देने का दावा किया जा रहा है। वहीं बरसाना मार्ग से परिक्रमा मार्ग में जाने वाले कई स्थानों पर सड़क पर जगह-जगह गड्ढे दिखाई दे रहे हैं।

राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए प्रशासनिक अमला पिछले कई दिन से गोवर्धन क्षेत्र में व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में लगा हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि राष्ट्रपति के आगमन के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था न हो, इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। वहीं परिक्रमा मार्ग से होकर राष्ट्रपति के गुजरने की संभावना है, उसी बरसाना मार्ग से परिक्रमा मार्ग जाने वाले रास्ते पर कई स्थानों पर सड़क की स्थिति बेहद खराब है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि राष्ट्रपति के आगमन की खबर के बावजूद परिक्रमा मार्ग की पूरी तरह मरम्मत नहीं कराई गई है।

नाग को ही पकड़कर अस्पताल पहुंचा घायल शख्स

लखीमपुर खीरी के पलियाकलां इलाके में उस समय अजीब स्थिति बन गई, जब सांप पकड़ने में माहिर सिंगाही खुर्द निवासी हरस्वरूप को नाग ने डस लिया। हैरानी की बात यह रही कि डसने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और नाग को काबू कर डिब्बे में बंद कर लिया। इसके बाद वही डिब्बा लेकर वे सीधे पलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गए। जब डॉक्टरों ने डिब्बे में बंद जिंदा नाग देखा तो वे भी कुछ पल के लिए हैरान रह गए। हरस्वरूप से पूरी घटना की जानकारी ली गई और तुरंत उनका इलाज शुरू किया गया। फिलहाल चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

नाग को पकड़कर डिब्बे में किया बंद

जानकारी के अनुसार संपूर्णानगर क्षेत्र में मिल मार्ग स्थित एक घर में नाग का जोड़ा दिखाई देने से घरवालों में दहशत फैल गई थी। परिवार के लोगों ने तुरंत इसकी सूचना हरस्वरूप को दी। सूचना मिलते ही हरस्वरूप मौके पर पहुंच गए। हरस्वरूप का दावा है कि वे लंबे समय से सांप पकड़ने का काम करते हैं और अब तक कई जहरीले सांपों को पकड़ चुके हैं। जैसे ही उन्होंने नाग को पकड़ने की कोशिश की, नाग ने अचानक उनके हाथ में डस लिया। इसके बावजूद उन्होंने जोखिम उठाते हुए हिम्मत दिखाई और नाग को काबू कर डिब्बे में बंद कर दिया। इसके बाद वे उसी डिब्बे में बंद नाग को लेकर पलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गए और डॉक्टरों को पूरी घटना के बारे में बताया।

वन विभाग की टीम ने सांप को कब्जे में लिया घटना की सूचना मिलने पर डिप्टी डायरेक्टर डॉ. जगदीश आर को अवगत कराया गया। इसके बाद वन विभाग की टीम मोटीवेटर नजरून निशा के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची। शुरुआत में हरस्वरूप ने नाग को सौंपने से इन्कार कर दिया, लेकिन बाद में अपने साथी प्रमोद के साथ उन्होंने डिब्बे में बंद नाग को टीम के हवाले कर दिया।

इस दौरान टीम ने लोगों को चेतावनी दी कि इस तरह बिना प्रशिक्षण और सुरक्षा के सांप पकड़ना बेहद खतरनाक और जानलेवा हो सकता है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि यदि भविष्य में इस तरह की गतिविधि दोबारा सामने आई तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने सुविधा शुल्क लेकर छोड़े तीन आरोपी, किशोरी के अपहरण के कार्रवाई पर उठे सवाल

» स्वराज जागरण संवाददाता।

नवाबगंज,फर्रुखाबाद। नवाबगंज पुलिस पर नाबालिग किशोरी के अपहरण और चोरी के मामले में नामजद तीन आरोपियों को कथित तौर पर मोटी रकम लेकर छोड़ने का आरोप लगा है। यह घटना बुधवार को हुई, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

यह मामला 28 मार्च को शुरू हुआ था। थाना क्षेत्र के एक गांव के निवासी एक युवक पर आरोप है कि उसने एक पांच वर्षीय बच्ची के माध्यम से अपनी 15 वर्षीय प्रेमिका को नींद की गोलियां भेजीं।

किशोरी ने कथित तौर पर ये गोलियां दूध में मिलाकर अपने परिवार के सदस्यों को पिला दीं। जब परिवार के सभी सदस्य गहरी नींद में सो गए, तब मुख्य आरोपी अपने साथियों के साथ किशोरी को बहला-

फुसलाकर भगा ले गया। किशोरी अपने साथ घर में रखे जेवरात, महत्वपूर्ण दस्तावेज और 50 हजार रुपये भी ले गई थी। किशोरी के पिता की शिकायत पर पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।

मंगलवार को डीआईजी के थाने के दौरे पर आने के कारण पुलिस ने इन तीनों आरोपियों को हिरासत में लिया था। आरोप है कि डीआईजी का दौरा समाप्त होते ही कथित तौर पर थाने में सौदेबाजी शुरू हो गई। सौदेबाजी में सुविधा शुल्क लेकर बुधवार दोपहर को पुलिस ने तीनों आरोपियों को कथित तौर पर भारी लेन-देन के बाद थाने से छोड़ दिया। पीड़ित परिवार, जो न्याय की उम्मीद में थाने के चक्कर लगा रहा था, पुलिस के इस कदम से हैरान है।

इस घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उच्चाधिकारियों से इस मामले में संज्ञान लेने और जांच करने की अपेक्षा की जा रही है।

> इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि तीनों को पूंछताछ के लिए लाया गया था। मुख्य आरोपी ने किशोरी से बातचीत होने की बात स्वीकार की। और डेढ़ माह पूर्व से किशोरी से कोई संपर्क नहीं था। किशोरी ने धमकी देकर नशीली दवा मंगवाई थी। किशोरी की छोटी बहन ले गई थी। तीनों ने पुलिस का सहयोग करने व खोजबीन में मदद करने का भरोसा दिया है। पूंछताछ के बाद तीनों को गांव छोड़कर बाहर न जाने की हिदायत देकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

अधूरी टंकियां बनीं बहाना, कागजों में पानी पहुंचा हर घर

» स्वराज जागरण संवाददाता।

शमसाबाद। केंद्र सरकार की हर घर जल योजना में कागजी खानापूर्ति की जा रही है। गांवों में बन रहीं अधिकांश पानी की टंकियां दो साल से अधूरी पड़ी हैं। जबकि कागजों में सभी घरों में पानी पहुंच रहा है। सच यह है कि लगाए गए सोलर नलकूप दिन के वक्त पाइप लाइनों में चला दिए जाते हैं। इनसे चंद दूरी तक घरों के दरवाजों पर लगे पाइप लाइनों में पानी टपकता रहता है। इसका आम जनता को कोई फायदा नहीं मिल रहा। जबकि सरकारी दस्तावेज पेयजल योजना का लाभ मिलना दर्शा रहे हैं। सच समझने के लिए दो गांवों की पड़ताल में सच सामने आ गया।

मौधा गांव में दो साल से निर्माणाधीन टंकी अधूरी पड़ी है। पांच मजरों में से महज दो में सबमर्सिबल पंप से सीधे आपूर्ति की जा रही है। पाइप लाइन से कुछ घरों तक ही आपूर्ति हो पाती है। क्षेत्र में कुछ टंकियां बनकर तैयार हैं, लेकिन आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। कई जगह पाइपलाइन लीकेज से सप्लाई बाधित है, ग्रामीण पानी को तरस रहे हैं। गर्मी बढ़ने के साथ ही पानी की किल्लत शुरू होने लगी है। ग्रामीणों ने पानी की सप्लाई जल्द से जल्द शुरू कराने की मांग की है।

कुंइयाधीर गांव में दो साल पहले शुरू हुआ टंकी निर्माण का निर्माण आज भी अधूरा है।

जलापूर्ति शुरू न होने से लोग शुद्ध पानी के लिए भटक रहे हैं। क्षेत्र में कई अन्य टंकियों का कार्य अभी तक पूरा नहीं हो सका है। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने गांवों में पाइपलाइनें डालने के लिए खोदी गई सड़कों की एक माह में मरम्मत करने के निर्देश दिए थे, लेकिन जिम्मेदारों

ने इसे नजरअंदाज कर दिया। विभागीय अधिकारी 80 फीसदी गलियों की मरम्मत होने का दावा कर रहे हैं। शेष कार्य भी जल्द पूरा होगा। टंकियों का कार्य एक माह में पूरा कर जलापूर्ति शुरू कराई जाएगी। जल्द ही दोनों गांवों में काम शुरू कराया जाएगा। इसके लिए संबंधित कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए गए हैं। -सजन कुमार, अधिशासी अभियंता

अखंड रामचरितमानस पाठ से गूंजा हनुमान जन्मोत्सव, भक्ति में लीन श्रद्धालु

» स्वराज जागरण संवाददाता।

फर्रुखाबाद। जनपद के शहर फतेहगढ़ पुरानी सब्जी मंडी स्थित हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर श्री रामचरितमानस अखंड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भक्ति और श्रद्धा का परिचय दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य संतोष शुक्ला द्वारा विधि-विधान से षोडशोपचार पूजन कराकर किया गया। इस अवसर पर मुख्य यजमान के रूप में सुखदेव मिश्रा ने सपत्नी पूजन कर धर्म लाभ अर्जित किया। मंदिर के पुजारी हृदेश दीक्षित जी ने बताया कि यह मंदिर अत्यंत प्राचीन है और पिछले पांच दशकों से यहां हनुमान जन्मोत्सव पर नियमित रूप से अखंड रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि इस अवसर पर हर वर्ष भक्तों के सहयोग से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। अखंड पाठ के समापन पर आचार्य संतोष शुक्ला ने विधिपूर्वक भगवान की आरती संपन्न कराई।

भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक प्रसंग पर श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर भक्ति भाव से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

आयोजन में शशिभूषण दुबे, कुलदीप दुबे, सौरभ गुप्ता, विनय सक्सेना, रवीश दुबे, डॉ. बालगोविंद दुबे, विजय प्रकाश शुक्ला सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस का अभियान, दो टेंपो सीज 15 वाहनों के कटे चालान

» छात्रों को दिए साइबर सुरक्षा के टिप्स

» स्वराज जागरण संवाददाता।

फर्रुखाबाद। पुलिस अधीक्षक के कड़े रुख के बाद कायमगंज में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिस महकमा सक्रिय हो गया है। यातायात उपनिरीक्षक सतेंद्र कुमार ने अपनी टीम के साथ सघन चेकिंग अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की।

चेकिंग के दौरान पुलिस ने दो अनफिट टेंपो को मौके पर ही सीज कर दिया, जबकि असुरक्षित तरीके से सरिया लादकर चल रहे लोडरों सहित कुल 15 वाहनों के चालान काटे गए।

टीएसआई ने बताया कि यह कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

साथ ही, उन्होंने जानकारी दी कि क्षेत्र के संवेदनशील और अपराध प्रभावित इलाकों में जल्द ही सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, ताकि असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जा सके। सड़क पर सख्ती के बाद कोतवाली परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं के लिए एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। टीएसआई सतेंद्र कुमार ने युवाओं को हेलमेट और सीटबेल्ट की अनिवार्यता समझाई।

सड़क सुरक्षा के साथ-साथ उन्होंने साइबर अपराध के प्रति भी सचेत किया और छात्रों को किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने तथा अपनी निजी जानकारी सुरक्षित रखने की सलाह दी। सतेंद्र कुमार यातायात उपनिरीक्षक ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल चालान काटना नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। जागरूकता और सख्ती दोनों ही सुरक्षित सफर के लिए अनिवार्य हैं।

गली निकास विवाद में दो पक्षों में मारपीट, पांच घायल

» स्वराज जागरण संवाददाता।

फर्रुखाबाद। जनपद के थाना नवाबगंज क्षेत्र के गांव सिरौली में गुरुवार सुबह करीब सात बजे गली के निकास को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया।

दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले। मारपीट में एक पक्ष से गुलाब सिंह उर्फ गोलू, उनके बड़े भाई छंगेलाल उर्फ राजू और चचेरी बहन मोहिनी पुत्री कल्याण सिंह घायल हो गए। वहीं दूसरे पक्ष से हरिश्चंद्र और उनका पुत्र रवि भी चोटिल हो गए।

घटना के बाद दोनों पक्ष थाने पहुंचे, जहां एक ओर से पूजा पत्नी सोमवारी और दूसरी ओर से हरिश्चंद्र ने एक-दूसरे के खिलाफ तहरीर दी।पुलिस ने सभी घायलों को चिकित्सीय परीक्षण के लिए नवाबगंज सीएचसी भेज दिया है। मामले में जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है।

फर्रुखाबाद को बड़ी सौगात, शहर के दो प्रमुख रेलवे फाटकों पर बनेगा

» 2-लेन ओवरब्रिज, 97.43 करोड़ स्वीकृत जाम के झंझट से मिलेगी मुक्ति

» स्वराज जागरण संवाददाता।

फर्रुखाबाद। जनपदवासियों के लिए राहत भरी खबर है। शहर के अंदर फर्रुखाबाद-कायमगंज मार्ग पर स्थित दो प्रमुख रेलवे क्रासिंगों संख्या 154 स्पेशल और संख्या 9 स्पेशल पर लगने वाले भीषण जाम से अब जल्द ही निजात मिल जाएगी।

सदर विधायक और सभापति सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति, मेजर सुनील दत्त द्विवेदी के अथक प्रयासों के फलस्वरूप शासन ने यहाँ 02 लेन रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण के लिए 9743.28 लाख रुपए का अनुमोदन प्रदान कर दिया है। इस महत्वपूर्ण परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए विधायक मेजर सुनील दत्त द्विवेदी ने व्यक्तिगत स्तर पर मुख्यमंत्री और प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग से कई बार मुलाकात की।

उन्होंने उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को भी तलब कर योजना की रूपरेखा तैयार करवाई। इसी सक्रियता का परिणाम है कि 31 मार्च 2026 को इस सेतु के निर्माण हेतु शासनादेश जारी कर दिया गया।

यह ओवरब्रिज इंजीनियरिंग का एक बेहतरीन नमूना होगा, जो दो फाटकों को एक साथ कवर करेगा। पूर्वोत्तर रेलवे के कानपुर-कासगंज रेल सेक्शन (किमी 134/15-17) के अंतर्गत क्रासिंग 154 और नीम करोरी रेल सेक्शन की क्रासिंग 9 पर

एक ही सेतु का निर्माण होगा। दोनों क्रासिंगों के बीच रहने वाली जनता के आवागमन के लिए सेतु निगम द्वारा पुल के दोनों ओर रैम्प दिए जाएंगे।

रेलवे द्वारा दोनों फाटकों पर अंडरपास बनाने का भी प्रस्ताव है, जिससे पैदल और छोटे वाहन चालकों को आसानी होगी। वर्तमान में ये दोनों क्रासिंग दिनभर में कई बार बंद होती हैं, जिससे फर्रुखाबाद-कायमगंज मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं।

इससे न केवल समय की बर्बादी होती है, बल्कि आपातकालीन सेवाओं को भी भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। ओवरब्रिज बनने से शहर के भीतर यातायात सुगम हो जाएगा। वहीं इस संबंध में सदर विधायक मेजर सुनील दत्त द्विवेदी ने बताया कि शहर के अंदर जाम की समस्या एक बड़ी बाधा थी।

इस ओवरब्रिज के निर्माण से विकास को नई गति मिलेगी। 9743.28 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत हो चुकी है और जल्द ही इसका निर्माण कार्य धरातल पर शुरू करा दिया जाएगा।

धूमधाम से मनाया प्रवेशोत्सव, तिलक मालाओं से हुआ नौनिहालों का स्वागत

» स्वराज जागरण संवाददाता।

नवाबगंज, फर्रुखाबाद। प्राथमिक विद्यालयों में नए शिक्षण सत्र का आगाज उत्सव के रूप में किया गया। नगर के विभिन्न स्कूलों को गुब्बारों और रंगोली से सजाकर बच्चों का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान नवीन नामांकित बच्चों का मुंह मीठा कराकर उन्हें विद्यालय में प्रवेश दिलाया गया।

नगर के प्राथमिक विद्यालय केन्द्र नवाबगंज में प्रवेशोत्सव के पहले दिन रौनक देखते ही बनी। प्रधानाध्यापक संजीव रंजन के नेतृत्व में विद्यालय को रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया था।

शिक्षक प्रशान्त कटियार, प्रज्ञानंद, सरोज कुमारी, वसीम अख्तर, रेनू सिंह, उर्मिला देवी और मधुबाला ने स्कूल पहुंचे बच्चों को तिलक लगाया और मालाएं पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया। विद्यालय में पंजीकृत कुल 180 बच्चों में से 166 छात्र पहले ही दिन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी अमर सिंह राणा ने बच्चों को नई पाठ्य पुस्तकें वितरित कीं। उन्होंने बच्चों से मन लगाकर पढ़ने की अपील की।

इस अवसर पर बच्चों को मध्यान्ह भोजन में विशेष रूप से तहरी और दूध का वितरण किया गया। नए भर्ती हुए बच्चों को लड्डू खिलाकर विद्यालय परिवार में शामिल किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी अमर सिंह राणा ने इसके पश्चात नगर के पुराना गनीपुर स्थित कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय और ग्रामीण क्षेत्र के ककिउली स्थित कंपोजिट विद्यालय का भी भ्रमण किया।वहां भी उन्होंने बच्चों को पुस्तकें भेंट कीं और शिक्षकों को शिक्षण गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।

हैंडबॉल प्रतियोगिता, ऑफिसर्स क्लब ने जीता खिताब

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज जागरण।

फर्रुखाबाद। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया एवं उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के निर्देश पर स्व. ब्रह्मदत्त द्विवेदी स्पोर्ट्स स्टेडियम फतेहगढ़ में अस्मिता खेलो इंडिया के तहत बालिकाओं की हैंडबॉल प्रतियोगिता आयोजित हुई। फाइनल में ऑफिसर्स क्लब ने वीरपुर मोहम्मदाबाद को 3-0 से हराकर खिताब जीता।

मंगलवार को प्रतियोगिता का शुभारंभ महिला थानाध्यक्ष मोनू शाक्या ने खिलाड़ियों से परिचय लेकर किया। तीन टीमों ने भाग लिया। पहले मैच में फतेहगढ़ स्टेडियम टीम को हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में उसने एकतरफा खेल दिखाते हुए 3-0 से जीत दर्ज की।

उन्होंने कहा कि बेटियां पढ़ाई के साथ खेलों में भी उत्कृष्ट कर देश का नाम रोशन कर रही हैं। व्यवस्था लक्ष्मण टंडन ने की और संचालन अवनींद्र कुमार ने किया। निर्णायक की भूमिका शबनम शाक्य, दुर्गा, अंशिका पाल, निकिता दुबे, योगेश शुक्ला, अजय प्रताप, वंश सक्सेना व चंदन कुमार ने निभाई।

पूर्व विधायक के घर हुए विस्फोट में घायल पूर्व प्रधान की मौत

» स्वराज जागरण संवाददाता।

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद शहर निवासी सपा के पूर्व विधायक विजय सिंह के आवास पर हुए भीषण विस्फोट में गंभीर रूप से घायल पूर्व प्रधान उदय प्रताप सिंह उर्फ भैया लाल निवासी नूरपुर थाना मऊदरवाजा की उपचार के दौरान मौत हो गई। उन्होंने मंगलवार रात कानपुर के अस्पताल में दम तोड़ दिया।

बता दें कि बीती 17 मार्च को शहर कोतवाली के नाला मछरट्टा स्थित पूर्व विधायक के घर के बेसमेंट में जोरदार धमाका हुआ था, जिसमें विधायक के दो बेटों समेत छह लोग घायल हुए थे। धमाका इतना जबरदस्त था कि मकान की दूसरी मंजिल तक का लिंटर फट गया था। अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में एटीएस और बम निरोधक दस्ता पहले ही जांच कर चुका है और पुलिस ने विधायक के बेटों समेत सभी घायलों पर मुकदमा दर्ज किया है।

अनियंत्रित कार खाई में गिरी, दो युवक घायल, एउक की हालत गंभीर

» स्वराज जागरण संवाददाता।

फर्रुखाबाद। नवाबगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत बुधवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहाँ एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में कार सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुँची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुँचाया, जहाँ से एक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के ग्राम सिरोली निवासी सौरभ (32) पुत्र राजबहादुर और प्रति मोहन (26) पुत्र सतेंद्र सिंह बुधवार को किसी कार्यवश नवाबगंज आए थे। दोपहर के समय जब दोनों कार से वापस अपने गाँव सिरोली लौट रहे थे, तभी बांसमई मोड़ के पास अचानक चालक का नियंत्रण कार से हट गया। अनियंत्रित कार लहराते हुए सड़क किनारे खाई में जा गिरी। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने तुरंत घटना की जानकारी नवाबगंज पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही थाने के एसएसआई राम सिंह, कांस्टेबल कमल गंगवार और हर्षित चौहान के साथ मौके पर पहुँचे और राहत कार्य शुरू किया। हादसे की सूचना पर पहुँचे एम्बुलेंस चालक दल सिंह और ईएमटी रजनीश ने घायलों को तत्काल नवाबगंज सीएचसी पहुँचाया।

सीएचसी में तैनात फार्मासिस्ट राजीव कुमार ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों के अनुसार, प्रति मोहन यादव की हालत चिंताजनक होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जबकि सौरभ का उपचार स्थानीय स्तर पर किया जा रहा है।

एम.डी जैन इंटर कॉलेज अंग्रेजी माध्यम में भव्य ग्रेजुएशन सेरेमनी व परिणाम समारोह सम्पन्न

» स्वराज जागरण संवाददाता।

सिरसागंज। श्री एम.डी. जैन इंटर कॉलेज, सिरसागंज अंग्रेजी माध्यम में आज बड़े ही उत्साह, हर्ष और गरिमामय वातावरण में ग्रेजुएशन सेरेमनी एवं वार्षिक परिणाम वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री नीरज कुमार जैन एवं हेड क्लर्क श्री मनीष जैन द्वारा भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तथा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में आध्यात्मिक एवं उत्सव का वातावरण देखने को मिला।

समारोह के दौरान विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें नृत्य, गीत एवं अन्य प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अगले चरण में विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही विद्यालय के लिए गौरव की बात रही कि राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा (NMMSE) में चयनित विद्यार्थियों को भी ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा अन्य विद्यार्थियों को भी इस प्रकार की उपलब्धि प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त इंस्पायर मानक अवार्ड में चयनित छात्राओं को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिससे विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार के प्रति उत्साह बढ़े। इस अवसर पर प्रधानाचार्य श्री नीरज कुमार जैन ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता का मूल मंत्र परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच है।

उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने तथा निरंतर मेहनत करते रहने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय के अंकित सर ने भी अपने संबोधन में विद्यालय की वार्षिक उपलब्धियों, उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम, विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की सफलता तथा विद्यालय की निरंतर प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल शैक्षिक रूप से ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, नैतिक और सामाजिक मूल्यों के साथ एक श्रेष्ठ नागरिक के रूप में विकसित करना है।

कार्यक्रम का सफल संचालन श्री विपुल मिश्रा द्वारा अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया गया। समारोह में विद्यालय के शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, उल्लास और गर्व का माहौल बना रहा तथा अंत में सभी ने विद्यालय की निरंतर प्रगति और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान विशाल सर, प्रदीप सर, शैलेंद्र, आयुष, सुमित, विधि , प्रेरणा, रजनी, दिव्यांशी, अंजलि,संध्या, गार्गी, स्वाति, रश्मि, सीमा, दीक्षा, प्रीति, वैष्णवी एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

महावीर जयंती पर नगर में निकली भव्य शोभायात्रा, झांकियों ने खींचा ध्यान

» स्वराज जागरण संवाददाता।

फिरोजाबाद। नगर में मंगलवार को भगवान महावीर जन्मकल्याणक महामहोत्सव की धूम रही जिसके अंतर्गत एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें अनेकों गुरु महाराजों के साथ फिरोजाबाद ही नहीं बल्कि दूर दराज से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सम्मिलित होकर धर्मलाभ लिया।

नगर में प्रातः पाठशाला के सैकडो बच्चों द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई जो कि मेल प्रांगड़ में संपन्न हुआ जहां परम पूज्य मुनि श्री अमित सागर जी महाराज ससंघ ने विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए भगवान महावीर के जन्मकल्याणक के बारे विस्तार से बताया। दोपहर को राजा दालमील से नगर विधायक मनीष असीजा ने शोभायात्रा का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री एस पी सिंह बघेल, पूर्व विधायक अजीम भाई मौजूद रहे। शोभायात्रा में सबसे आगे डोल नगाड़ा वादक शोभायात्रा के आने का संदेश दे रहे थे। पीले वस्त्रों में हाथों में मंगल कलश लिए इंद्राणीयां चल रही थी।अष्टकुमारियों का डांडिया नृत्य पूरी शोभायात्रा में सभी का ध्यान आकर्षित करते रहे। शोभायात्रा में बालयोगी मुनि श्री अमित सागर जी महाराज ससंघ, आचार्य श्री सूरत्न सागर जी महाराज ससंघ, मुनि श्री एकत्व सागर महाराज, मुनि श्री शिवदत्त सागर जी महाराज, मुनि श्री परमदत्त सागर जी महाराज, आर्यिका विजयमती माताजी, आर्यिका विश्रेय श्री माताजी ससंघ श्री जी के मुख्य रथ के आगे सम्मिलित रहे। शोभायात्रा राजा दालमील से प्रारंभ होकर घंटा घर, सदर बाजार, गंज बाजार, डाकखाना गांधी नगर होती हुई कोटला चुंगी मेला प्रांगड़ में पहुंची। मेला प्रांगड़ में बने मंच में श्री का अभिषेक शांतिधारा एवं अर्घ समर्पित किए गए। शोभायात्रा में नितेश जैन नाटी, निखिल जैन, नवनीत जैन, अंकित जैन, अनमोल जैन, राज जैन, अरुण जैन पीली कोठी, अजय जैन एडवोकेट, अजय जैन बजाज आदि लोग उपस्थित रहे।

मीडिया प्रभारी अजय जैन बजाज एवं राज जैन ने बताया कि सायंकालीन सभा में भजन सम्राट रूपेश जैन भक्ति गीत प्रस्तुत करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

मॉडर्न कांच उद्योग प्राइवेट लिमिटेड, मक्खनपुर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित कर की 40 मरीजों की जांच

» स्वराज जागरण संवाददाता।

फिरोजाबाद। जनपद में जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए टी0 बी0, एचआईवी एवं अन्य संक्रामक बीमारियों की जांच के लिए एक विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर मक्खनपुर स्थित माडर्न कांच उद्योग प्राइवेट लिमिटेड में ग्लास मजदूर संघ के जिला संयोजक आशीष कांकोरिया के नेतृत्व में , जिला अधिकारी व मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देशन में इस शिविर को लगाया गया।

इस शिविर में लगभग 35 से 40 मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया गया। यह शिविर जिला प्रशासन के निर्देशन में जिला क्षय रोग केंद्र, फिरोजाबाद तथा भारतीय मजदूर संघ के सहयोग से आयोजित किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर की अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ के जिला संगठन मंत्री शिशुपाल तिवारी जी तथा संचालन भारतीय मजदूर संघ की जिला मंत्री राधा शंखवार ने किया । इस अवसर पर मॉडर्न कांच उद्योग प्राइवेट लिमिटेड के संचालक श्रीमान दिनेश गुप्ता जी वह उनके पुत्र श्री लकी गुप्ता जी की भी गरिमामयी उपस्थित अपने श्रमिकों के साथ रही। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा मरीजों की जांच के साथ-साथ उन्हें बीमारी से बचाव, समय पर उपचार एवं जागरूकता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई ।शिशुपाल तिवारी जी ने बताया कि इस प्रकार के शिविर भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक श्रमिकों को लाभ मिल सके। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, चिकित्सकगण, भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारी एवं स्थानीय श्रमिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे

नवागत एसएसपी ने संभाला जिले का कार्यभार, कानून-व्यवस्था को लेकर पत्रकारों से खास चर्चा

» स्वराज जागरण संवाददाता।

फिरोजाबाद में कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आदित्य लांग्हे ने बुधवार को अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने पुलिस लाइन सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि जिले में बेहतर पुलिसिंग के लिए सुझाव लिए जा रहे हैं और उन पर अमल किया जाएगा।

एसएसपी लांग्हे ने कहा कि जिले के सक्रिय अपराधियों और गैंग्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुराने मामलों को भी दोबारा खोलकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से गैंगस्टर एक्ट और गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई करने पर जोर दिया।

कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ महिला सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। एसएसपी ने बताया कि महिला अपराधों से प्राथमिकता के आधार पर सख्ती से निपटा जाएगा। सड़क हादसों को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने की बात भी उन्होंने कही। इसके अतिरिक्त, शहर में जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे ताकि यातायात सुचारु रह सके।

एसएसपी ने चेतावनी दी कि जिले में शांति व्यवस्था भंग करने वाले असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर उनके खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान एसपी सिटी रविशंकर प्रसाद भी मौजूद रहे। एसएसपी के इस सख्त रुख से साफ है कि फिरोजाबाद में अब अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं होगी।

फिरोजाबाद पुलिस ने पोक्सो एक्ट के आरोपी को किया गिरफ्तार

» स्वराज जागरण संवाददाता।

फिरोजाबाद। थाना दक्षिण पुलिस ने पोक्सो एक्ट के आरोपी अमन को गिरफ्तार किया है। आरोपी अमन पुत्र राजपाल निवासी ग्राम बासठ थाना दक्षिण का रहने वाला है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मुस्ताबाद चौराहा थाना क्षेत्र दक्षिण से गिरफ्तार किया है।

अमन के खिलाफ थाना दक्षिण में मु0अ0सं0 337/26 धारा-352/351(2) बीएनएस व 5रू6 पोक्सो का मामला दर्ज है। गिरफ्तार आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

फिरोजाबाद में डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव की तैयारी जोरों पर

» स्वराज जागरण संवाददाता।

फिरोजाबाद, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति द्वारा किरण मैरिज होम, रेपुरा रोड पर प्रेस वार्ता आयोजित की गई। समिति अध्यक्ष व पूर्व विधायक राकेश बाबू एडवोकेट ने बताया कि 14 अप्रैल को अंबेडकर पार्क, रसूलपुर में सुबह 10 से 1 बजे तक विचार गोष्ठी होगी, जहां बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके जीवन पर विचार रखे जाएंगे।

19 अप्रैल को अंबेडकर भवन नई बस्ती से दोपहर 12 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बाबा साहब के जीवन पर आधारित 100 से अधिक झांकियां शामिल होंगी। शोभायात्रा में घोड़ा, ऊंट, बैंड, छोटा व बड़ा डोला भी रहेगा और मार्ग में करीब 30 स्वागत द्वार बनाए जाएंगे।

शोभायात्रा का समापन अंबेडकर महाविद्यालय में होगा।

समिति ने सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

घर में मटर-पनीर की सब्जी ना बनी तो पत्नी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

» स्वराज जागरण संवाददाता।

फिरोजाबाद में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। क्योंकि पति-पत्नी के बीच मटर पनीर की सब्जी बनाने को लेकर कहासुनी हुई थी। दोनों की बीच विवाद इतना बढ़ा कि महिला ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मृतका की पहचान देवकी के रूप में हुई है। जो थाना दक्षिण क्षेत्र के करबला की रहने वाली है। पति अमित एक फैक्ट्री में मजदूरी करता है उसकी शादी 4 साल पहले हुई थी। उसके दो छोटे बच्चे हैं, जिसमें एक बेटा और एक बेटी शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही थाना दक्षिण पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जिम्मेदारियों के लिए भेज दिया। पति अमित ने बताया कि वह पत्नी से कह कर गया था कि घर में मटर पनीर की सब्जी बनाना, लेकिन उसने मटर पनीर की सब्जी नहीं बनाई। सब्जी को लेकर दोनों के बीच वाद विवाद हो गया।

इसी बीच वह मोमोज लेने के लिए घर से बाहर चला गया। जब लौट कर आया तो पत्नी का शव फंदे पर लटका हुआ मिला।

ग्रामीणों ने किया शराब ठेके का विरोध, ठेका हटाने की मांग लेकर ग्रामीण लामबंद

» स्वराज जागरण संवाददाता।

फिरोजाबाद। जनपद के थाना टूंडला क्षेत्र के गांव जालौपुरा में उस समय हड़कंप मच गया जब ग्रामीणों ने बस्ती के बीच खुले शराब के ठेके के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों का आरोप है कि आबादी के बीच शराब का ठेका खुलने से गांव का माहौल लगातार खराब हो रहा है। उनका कहना है कि इस ठेके की वजह से छोटे-छोटे बच्चों पर गलत प्रभाव पड़ रहा है और उनकी मानसिकता भी प्रभावित हो रही है।

इतना ही नहीं, ठेके के सामने संचालित कोचिंग सेंटर में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। अभिभावकों का कहना है कि शराब के नशे में लोग आए दिन गाली-गलौज करते हैं, जिससे पढ़ाई का माहौल बिगड़ रहा है।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि रास्ते से गुजरने वाली बहन-बेटियों को शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है, क्योंकि नशे में धुत लोग अभद्र व्यवहार करते हैं। इससे गांव में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

साथ ही ग्रामीणों ने सामाजिक छवि पर पड़ रहे असर को भी गंभीर बताया और कहा कि इस ठेके के कारण बच्चों के भविष्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

प्रदर्शन कर रहे लोगों की मांग है कि शराब के इस ठेके को तुरंत बस्ती से हटाकर गांव के बाहर स्थानांतरित किया जाए।

ताकि माहौल फिर से सुरक्षित और स्वस्थ बन सके।

फिरोजाबाद में स्कूल चलो अभियान का आगाज, नव प्रवेशी बच्चों का स्वागत करते हुए रैली निकाली गई

» स्वराज जागरण संवाददाता।

फिरोजाबाद। पी0एम0श्री0 कम्पोजिट विद्यालय जसराना में जनपद स्तरीय स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री उदय प्रताप सिंह जिलाध्यक्ष भाजपा, श्री राम गोपाल पप्पू लोधी निवर्तमान विधायक जसराना, श्री शत्रोहन वैश्य मुख्य विकास अधिकारी फिरोजाबाद, श्री कमलेश राजपूत ब्लॉक प्रमुख अरॉव, श्री राजीव गुप्ता अध्यक्ष नगर पंचायत जसराना, डा0 श्री सत्यपाल सिंह प्रदेश संगठन मंत्री भाजपा, श्री राजेश कुमार शुक्ल उपजिलाधिकारी जसराना, श्री धीरेन्द्र कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक फिरोजाबाद, श्री आशीष कुमार पाण्डेय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी फिरोजाबाद व खण्ड शिक्षा अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने स्कूल चलो अभियान के बारे में बताया कि प्रथम चरण 01 अप्रैल से 15 अप्रैल, 2026 तक तथा द्वितीय चरण 01 जुलाई से 15 जुलाई, 2026 तक आयोजित किया जायेगा। मुख्य विकास अधिकारी ने परिषदीय विद्यालयों की अवस्थापना सुविधाओं को बेहतर बनाने हेतु हर सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में नये प्रवेश लेने वाले बच्चों को तिलक लगाकर व माला पहनाकर स्वागत किया गया तथा स्टेशनरी किट व निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें भी वितरित की गयी। मुख्य विकास अधिकारी महोदय एवं समस्त अतिथिगणों द्वारा समिलित रूप से हरी झण्डी दिखाकर स्कूल चलो अभियान रैली का शुभारम्भ किया गया।

फरिहा में भव्य रूप से निकला भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव आकर्षक झांकियों ने मोहा मन

» स्वराज जागरण संवाददाता।

फिरोजाबाद। फरिहा स्थित तीन शिखर दिगंबर जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर भव्य शोभायात्रा बड़े हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। पूरे नगर में धार्मिक उल्लास और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर स्वामी के रथ के उद्घाटन के साथ हुआ, जिसका शुभारंभ अशोक कुमार जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशेष आमंत्रित मुख्य वक्ता श्रीयांश जैन ने अपने विचार व्यक्त किए और शोभायात्रा के नाम रही।

शाम 3 बजे रथ यात्रा का शुभारंभ हुआ, जो तीन शिखर दिगंबर जैन मंदिर से प्रारंभ होकर मोहल्ला होली दरवाजा, गोल चक्कर, मोहल्ला बनियात, रिक्शागंज होते हुए फेरे मंदिर परिसर में आकर संपन्न हुई। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया।

शोभायात्रा में चार इंद्र के रूप में अमर जैन, गुडवर्धन जैन, आज्ञव जैन और गौरव जैन आकर्षण का केंद्र बने, वहीं भगवान की इंद्राणी बनने का सौभाग्य दिनेश जैन को प्राप्त हुआ। भगवान धनकुबेर बनने का सौभाग्य विमल कुमार जैन, प्रिंस जैन एवं आयुष्मान जैन को प्राप्त हुआ। भगवान के साथी के रूप में संतोष कुमार जैन ने अपनी भूमिका निभाई।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव में अरिहंत महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा शोभायात्रा में विभिन्न आकर्षक झांकियों विशेष रूप से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही थीं, जिनमें भगवान चंदनबाला की झांकी, भगवान महावीर स्वामी की झांकी, भगवान नेमिनाथ की बारात, मां सरस्वती हंस पर विराजमान, भगवान पार्श्वनाथ ध्यन मुद्रा में, इंद्र- इंदाणी की भव्य प्रस्तुति एवं भगवान महावीर के ग्वाला की झांकी प्रमुख रहीं। इन झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया और पूरा नगर भक्तिमय माहौल में डूब गया। मेला कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र जैन हव्याजनाह, महेश चंद्र जैन, मनोज जैन डांजल महामंत्री श्रीयांश जैन, मंत्री प्रिंस जैन हव्योलेह, राहुल जैन, जितेंद्र जैन , शिवम जैन, विमल कुमार जैन, पारस जैन एवं गौरव जैन सहित अन्य पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था भी पूरी तरह से सुहृद व व्यवस्थित रूप से संपन्न हुई। यह भव्य आयोजन फरिहा नगर में धार्मिक आस्था, एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक रहा।

फिरोजाबाद पुलिस ने हत्या के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया

फिरोजाबाद। थाना रामगढ़ पुलिस ने दिनाँक 30/31-03-2026 की रात्रि को थाना रामगढ़ क्षेत्रान्तर्गत मृतक चन्दन की हत्या करने की घटना में वांछित 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान तेजवीर पुत्र उमेश, समीर पुत्र प्रेमचन्द्र और ललित उर्फ सिन्टू उर्फ बीटा पुत्र राकेश निवासीगण सैलई थाना रामगढ़ जनपद फिरोजाबाद के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि अभियुक्तों ने शराब पीकर मारपीट करना और घर की महिलाओं पर अभद्र टिप्पणियाँ करना हत्या का कारण बताया है। 1 आलाकत्ल चाकू, घटना में प्रयुक्त 1 मोटर साइकिल और घटना कारित करते समय अभियुक्तों द्वारा पहने हुए कपड़े बरामद किए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही कर अभियुक्तों को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

चांदपुर: सड़क चौड़ीकरण के नाम पर हरियाली पर चल रही आरी, आक्रोश

सीएम से लगाई गुहार

» स्वराज जागरण संवाददाता।

चांदपुर। जनपद बिजनौर के चांदपुर में सड़क चौड़ीकरण के नाम पर हो रही पेड़ों की अंधाधुंध कटाई अब बड़ा जनमुद्दा बनती जा रही है। फादर्स सन पब्लिक स्कूल से धनौरा रोड तक करीब 6 किलोमीटर लंबे मार्ग पर वर्षों पुराने छायादार पेड़ों को काटे जाने से क्षेत्र में आक्रोश और चिंता का माहौल है। लोग इसे विकास नहीं, बल्कि पर्यावरण के साथ खिलवाड़ मान रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि ये पेड़ न केवल राहगीरों को छाया देते थे, बल्कि क्षेत्र के तापमान को नियंत्रित रखने और शुद्ध हवा प्रदान करने में भी अहम भूमिका निभाते थे। अब तेजी से हो रही कटाई से चांदपुर की हरियाली खत्म होती नजर आ रही है और भविष्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इसी बीच पर्यावरण प्रेमियों और आम जनता ने योगी आदित्यनाथ से भावुक अपील करते हुए कहा है कि विकास कार्यों के नाम पर चांदपुर को बिना हरियाली वाला क्षेत्र बनने से बचाया जाए। उन्होंने मांग की है कि सड़क निर्माण के साथ-साथ पेड़ों के संरक्षण और बड़े स्तर पर पौधारोपण को अनिवार्य किया जाए।

मामले ने उस समय और तूल पकड़ लिया, जब विश्व हिंदू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने भी इस पर कड़ा रुख अपनाया। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रशांत तोमर ने कहा कि विकास जरूरी है, लेकिन प्रकृति की कीमत पर नहीं। अगर पेड़ ही नहीं

बचेंगे तो आने वाली पीढ़ियां किस वातावरण में सांस लेंगी।

प्रदेश उपाध्यक्ष स्वाति तोमर ने कहा कि महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर इसका सीधा असर पड़ेगा। प्रदूषण और गर्मी बढ़ने से जीवन और मुश्किल होगा। सरकार को इस पर तुरंत संज्ञान लेना चाहिए।

प्रदेश मंत्री एवं वरिष्ठ पत्रकार नागेंद्र सिंह राजपूत ने कहा कि चांदपुर में पहले ही कॉलोनियों के नाम पर हरियाली खत्म की जा चुकी है। अब सड़क चौड़ीकरण के नाम पर भी पेड़ों की कटाई हो रही है। अगर यही हाल रहा तो आने वाले समय में चांदपुर कंक्रीट जंगल बनकर रह जाएगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पर्यावरण संतुलन बिगड़ता है, जिससे तापमान में वृद्धि, वायु प्रदूषण और ऑक्सीजन की कमी जैसी समस्याएं बढ़ती हैं।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि विकास कार्यों के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी जाए। पेड़ों की कटाई के बदले बड़े स्तर पर पौधारोपण कराया जाए और ऐसी योजनाएं बनाई जाएं, जिससे हरियाली भी बचे और विकास भी हो।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या चांदपुर का भविष्य हरियाली से भरा होगा या फिर विकास की दौड़ में प्रकृति का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का आगाज, डीएम ने रैलियों को किया रवाना

संचारी रोग से बचाव और रोकथाम की शपथ दिलाई

» रिज़वान सिद्दीक़ी, स्वराज जागरण।

बिजनौर। बिजनौर जिले में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का आगा? हो चुका है। शासन के निर्देशों के क्रम में, स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन ने मिलकर मच्छरों से होने वाली बीमारियों और संक्रमण पर लगाम लगाने के लिए इस अभियान को गति दी है। इस अभियान का प्राथमिक लक्ष्य डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, दिमागी बुखार और हैजा जैसी संक्रामक बीमारियों के प्रसार को रोकना है।

अप्रैल के इस महीने में बढ़ती गर्मी और आने वाले मानसून के मद्देनजर जलभराव और गंदगी को साफ करना शासन की प्राथमिकता है। अभियान का शुभारंभ कलेक्ट्रेट से जागरूकता रैलियों के माध्यम से किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा उपस्थित जनों को संचारी रोग से बचाव और रोकथाम की शपथ दिलाई गई। नगर पालिका चेयरपर्सन, जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने झंडी दिखाकर रैलियों को रवाना किया।

संचारी रोग अभियान के साथ ही 10 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक दस्तक अभियान भी चलाया जाएगा। इसमें आशा कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर बुखार के रोगियों, कुपोषित बच्चों और मच्छरों के पनपने वाले स्थानों की पहचान करेंगी। इस मिशन में स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ शिक्षा, नगर निकाय, पंचायती राज और समाज कल्याण विभाग मिलकर काम कर रहे हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई और एंटी-लार्वा छिड़काव के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

एडीएम न्यायिक टीम की जांच के दौरान पूर्व सांसद-तालिब बंधुओं में हुआ विवाद

दोनों पक्षों में आरोप-प्रत्यारोप जारी, वीडियो हुआ वायरल

» स्वराज जागरण संवाददाता।

बिजनौर। थाना कोतवाली शहर क्षेत्र के गंज रोड स्थित आरा मशीन की जांच के दौरान पूर्व सांसद कुंवर भारतेंद्र सिंह और तालिब बंधुओं के बीच हुआ विवाद अब तूल पकड़ता जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला एक बार फिर भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष रॉबिन चौधरी से जुड़े विवादों के कारण सुर्खियों में आ गया है।

बताया जा रहा है कि सील लगी आरा मशीन के संचालन की शिकायत पर एडीएम न्यायिक की टीम जांच के लिए मौके पर पहुंची थी। इसी दौरान पूर्व सांसद कुंवर भारतेंद्र सिंह भी अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान किसी

बात को लेकर पूर्व सांसद और तालिब बंधुओं के बीच कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते नोकझोंक और धक्का-मुक्की में बदल गई।

एक पक्ष का आरोप है कि तालिब और खालिद ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर पूर्व सांसद पर हमला करने की कोशिश की, गाड़ी के आगे लेटकर उन्हें रोकने का प्रयास किया तथा गनर से असलाह छीनने की भी कोशिश की। वहीं, दूसरे पक्ष यानी तालिब बंधुओं का आरोप है कि उनके साथ मारपीट की गई और उन पर चाकू से हमला करने का प्रयास किया गया। घटना के बाद तालिब बंधु थाने पहुंचे और पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

बताया जा रहा है कि यह पूरा मामला भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष रॉबिन चौधरी से जुड़े पुराने विवाद से भी जुड़ा बताया जा रहा है, जिसके चलते यह प्रकरण फिर चर्चा में आ गया है। हालांकि पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच की जा रही है। वायरल वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रोडवेज बसें गोलबाग से गुजर रहीं, झालू की अनदेखी पर रोष

» स्वराज जागरण संवाददाता।

झालू। नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रोडवेज बसों का संचालन न होने से लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बसें गोलबाग मार्ग से निकल जाती हैं, लेकिन झालू से होकर संचालन नहीं किया जाता, जिससे यात्रियों को दूसरे स्थानों पर निर्भर रहना पड़ता है।

लोगों ने मांग की है कि मुरादाबाद, नूरपुर, चांदपुर और धामपुर मार्ग की कुछ बसों को झालू से होकर चलाया जाए, ताकि नगर और आसपास के गांवों को सीधी सुविधा मिल सके।

परिवहन सुविधा के अभाव का सबसे ज्यादा असर छात्र-छात्राओं, मरीजों और व्यापारियों पर पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से जल्द समाधान कर झालू से नियमित रोडवेज बसों का संचालन शुरू कराने की मांग की है।

मंडावर के रॉयल बैंक्वेट हॉल में खाने को लेकर हुआ विवाद, सड़क पर भिड़े दो पक्ष

» स्वराज जागरण संवाददाता।

मंडावर। मंडावर क्षेत्र स्थित रॉयल बैंक्वेट हॉल में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान खाने को लेकर हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। देखते ही देखते समारोह का माहौल तनावपूर्ण हो गया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए।

बताया जा रहा है कि विवाद के बाद दोनों पक्ष हॉल से बाहर सड़क पर आ गए, जहां लात-घूंसे, थप्पड़ और बेल्ट से एक-दूसरे पर हमला करने लगे। जानकारी के अनुसार, झगड़े में शामिल सभी लोग मोहल्ला शाहविलायत के निवासी बताए जा रहे हैं।

यह पूरा घटनाक्रम बीच सड़क पर हुआ, जिससे कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि हालात इतने बिगड़ गए थे कि कभी भी कोई बड़ा

हादसा हो सकता था।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें लोग खुलेआम मारपीट करते नजर आ रहे हैं। झगड़े के दौरान कई लोगों के कपड़े फट गए और कुछ के घायल होने की भी आशंका जताई जा रही है।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है। शादी जैसे खुशी के मौके पर हुआ यह बवाल पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मंडावली में शराब की दुकान के विरोध में महिलाओं का प्रदर्शन

दुकान पर बैठकर जताया विरोध, पुलिस ने संभाला मोर्चा

» स्वराज जागरण संवाददाता।

मंडावली/बिजनौर। मंडावली जटपुरा भोंडा गांव की बस्ती में शराब की दुकान खोलने के विरोध में महिलाओं ने प्रदर्शन किया। बुधवार को महिलाएं प्रस्तावित शराब की दुकान पर बैठ गईं और विरोध जताया।

बस्ती के लोगों को जब शराब की दुकान खुलने की जानकारी मिली, तो वे एकजुट हो उठे। महिलाएं अपने घरों से बाहर निकल आईं और विरोध प्रदर्शन करने लगीं।

प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना था कि बस्ती में शराब की दुकान खुलने से उनके परिवार प्रभावित होंगे। उनका यह भी तर्क था कि इससे महिलाओं का आना-जाना मुश्किल हो जाएगा।

सूचना मिलने पर मंडावली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने महिलाओं को समझाने-बुझाने का प्रयास किया।

थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर महिलाओं को शांत करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था बनी हुई है।

आठ लाख की चोरी का खुलासा बना पहेली, खाली हाथ पुलिस

» स्वराज जागरण संवाददाता।

चांदपुर। जनपद बिजनौर के **चांदपुर क्षेत्र में व्यापारी के घर हुई लाखों रुपये की चोरी की घटना ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चार दिन बीत जाने के बावजूद भी पुलिस अब तक चोरों का कोई सुराग नहीं लगा सकी है, जिससे स्थानीय लोगों में भारी रोष व्याप्त है।**

मामला चांदपुर के मोहल्ला चिम्मन, जलीलपुर मार्ग का है, जहां व्यापारी निरीश कुमार उर्फ बिल्लू गुप्ता के घर गुरुवार रात अज्ञात चोरों ने सुनियोजित तरीके से बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने घर के शौचालय का लोहे का जंगला काटकर अंदर प्रवेश किया, जिससे उनकी तैयारी और प्रोफेशनल अंदाज का अंदाजा लगाया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, चोर सीधे

मुकुल गुप्ता के कमरे तक पहुंचे और वहां रखी ड्रेसिंग रूम की लकड़ी की सेफ अलमारी को निशाना बनाया। चोरों ने अलमारी में रखे करीब 60 ग्राम सोने के आभूषण और लगभग 8 लाख रुपये की नकदी पर हाथ साफ कर दिया और मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी सुबह होने पर परिवार को हुई, जिसके बाद घर में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आसपास के लोग भी मौके पर जमा हो गए और घटना को लेकर आक्रोश जताने लगे।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने चार टीमें गठित कर दी हैं, जो सीसीटीवी फुटेज खंगालने, संदिग्धों से पूछताछ और आसपास के इलाकों में छानबीन में जुटी हुई हैं। इसके बावजूद अभी तक पुलिस के हाथ खाली हैं।

स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से जल्द खुलासा करने और चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है।

यह वारदात न सिर्फ पुलिस के लिए चुनौती बन गई है, बल्कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था की पोल भी खोल रही है। अब देखना यह है कि पुलिस कब तक इस हाई-प्रोफाइल चोरी का खुलासा कर पाती है।

आसपा कार्यकर्ताओं ने सेक्टर व बूथ कमेटियों को मजबूत करने पर दिया जोर

» स्वराज जागरण संवाददाता।

चांदपुर। आजाद समाज पार्टी कांशीराम के जिला प्रभारी एवं विधानसभा प्रभारी चांदपुर मोहम्मद ताहिर ने मुस्तफाबाद, सागरथल, झुझेला ढाकी सहित विभिन्न गांवों में पहुंचकर पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए सेक्टर और बूथ कमेटियों के गठन व मजबूती पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी की नीतियों और बहुजन महापुरुषों की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संगठन का मजबूत होना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कई गांवों में बैठक कर लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई और पार्टी की नीतियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बूथ और सेक्टर कमेटियां मजबूत होंगी तो पार्टी भी मजबूत होगी और आने वाले चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगी। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष राजवीर सिंह, जिला सचिव कृष्ण कुमार, करण सिंह, भगवानदास, ओमपाल, जेहिन्द पाल, शाहरुख, मुराद, नसीम, चांद भाई, डॉ अतीक सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला उपाध्यक्ष राजवीर सिंह ने कहा कि पार्टी को मजबूत बनाने के लिए हर गांव में सेक्टर और बूथ कमेटियों का गठन किया जा रहा है। कार्यकर्ता पूरी मेहनत और लगन के साथ पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाएं और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ें, ताकि संगठन को और मजबूती मिल सके।

स्कूल चलो अभियान के तहत छात्र-छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

नारों के साथ किया प्रेरित, निःशुल्क सुविधाओं के साथ बेहतर शिक्षा का भरोसा

» स्वराज जागरण संवाददाता।

कोतवाली देहात। नया शिक्षा सत्र शुरू होते ही बुधवार को परिषदीय स्कूलों में स्कूल चलो अभियान की शुरुआत हो गई। इस अभियान के तहत ब्लॉक कोतवाली क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने पढ़ेंगे-पढ़ाएंगे, साक्षर देश बनाएंगे, कोई न छूटे इस बार, शिक्षा है सबका अधिकार और आधी रोटी खाएंगे, साक्षर देश बनाएंगे जैसे प्रेरक नारों के साथ जागरूकता रैली निकालकर अभिभावकों से अपने बच्चों का स्कूलों में नामांकन कराने का आह्वान किया।

रैली का शुभारंभ ब्लॉक परिसर से खंड शिक्षा अधिकारी इंद्रजीत सिंह, मुख्यमंत्री फेलो डॉ. मोनिका शर्मा एवं पित्तनहेड़ी ग्राम प्रधान अनीस अहमद ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि परिषदीय स्कूलों में बेहतर शैक्षिक

वातावरण के साथ सरकार की ओर से निशुल्क पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म, बैग तथा मिड-डे मील की सुविधा दी जाती है। उन्होंने बताया कि स्कूलों में तकनीकी शिक्षा पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री फेलो ने सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने की अपील की। छात्र-छात्राओं ने कस्बे में रैली निकालकर लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

इस अवसर पर नीरज कुमार वर्मा, रईस अहमद, हरिओम दत्त, मुकेश कुमार, वंदना रानी, गौरव कुमार सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

सामूहिक कन्या पूजन कर नारी शक्ति संगठन ने मनाया चैत्र नवरात्र पर्व

» स्वराज जागरण संवाददाता।

बिजनौर। चैत्र शुक्ल पक्ष में मां दुर्गा के पावन नवरात्रों के उपलक्ष्य में नारी शक्ति संगठन की महिलाओं द्वारा ग्राम आदमपुर स्थित रविदास मंदिर परिसर में सामूहिक कन्या पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने विधि-विधान से कन्याओं का पूजन कर उनका आशीर्वाद लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत कन्याओं को रोली का तिलक लगाकर तथा उनकी कलाई पर कलावा बांधकर की गई। इसके बाद सभी कन्याओं एवं बच्चों को चिप्स, सोया कटोरी, चौलाई के लड्डू, बर्फी, नमकीन, फल, कुरकुरे, बिस्किट, टॉफी आदि वितरित किए गए। इस दौरान

महिलाओं ने कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनकी पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर संगठन की महिलाओं ने नवरात्रों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं की जानकारी मिलती है तथा समाज में धार्मिक और सामाजिक एकता भी मजबूत होती है।

कार्यक्रम में संगठन की महामंत्री शिवानी चौहान, गार्गी अग्रवाल, उपाध्यक्ष निधि वर्मा, वंदना गुप्ता, शिखा गुप्ता, संतोष, रिंकी मसीह, मंत्री पूनम शर्मा, करुणा अग्रवाल, मनीषा गुप्ता, अंशु विश्नोई, रश्मि तोमर, सुनीता शर्मा, शिखा अग्रवाल, नीलम चौधरी (कोषाध्यक्ष), मोनिका अग्रवाल, मीडिया प्रभारी माही सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

जिलाध्यक्ष पूनम गोयल ने बताई नवरात्रों की महत्ता

नारी शक्ति संगठन की जिलाध्यक्ष पूनम गोयल ने कहा कि नवरात्रों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है और मां दुर्गा शक्ति का प्रतीक हैं। नवरात्रों में व्रत रखने से तन और मन शुद्ध होता है तथा शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने घरों के साथ-साथ सामूहिक स्थानों पर भी कन्या पूजन करना चाहिए और बच्चों को अपने देवी-देवताओं एवं संस्कृति के बारे में जानकारी देनी चाहिए।

स्वराज जागरण www.swarajjagran.in

भारत की पहली 'डिजिटल जनगणना' क्रांति का शंखनाद, पीएम मोदी ने भरी अपनी डिटेल

» नई दिल्ली, एजेंसी।

विश्व के सबसे बड़े जनगणना अभियान जनगणना-2027 के प्रथम चरण की आज (1 अप्रैल) से शुरुआत हो गई। इस चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना हो रही है। यह पूरी तरह डिजिटल डेटा कैप्चर के साथ स्व-गणना की सुविधा वाली भारत की पहली जनगणना है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर अपने अपने विवरण दर्ज किए। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा करते हुए फॉर्म में विवरण दर्ज करने के फोटो भी साझा किए।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर फोटो साझा करते हुए लिखा, मैंने अपनी स्व-गणना पूरी कर ली है। आज जनगणना 2027 के पहले चरण की शुरुआत हो रही है, जो मकानों की सूची बनाने और आवास संबंधी कार्यों से जुड़ा है। यह पहली बार है जब जनगणना के लिए डेटा संग्रह डिजिटल माध्यमों से किया जा रहा है। यह भारत के लोगों को अपने घर-परिवार का विवरण स्वयं दर्ज करने का अधिकार भी देता है। मैं भारत के लोगों से अपील करता हूँ कि वे अपने घर-परिवार का विवरण स्वयं दर्ज करें और जनगणना की प्रक्रिया में भाग लें।

राष्ट्रपति मुर्मू व उपराष्ट्रपति ने भी लिया हिस्सा

प्रधानमंत्री के अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने भी जनगणना 2027 के लिए आज स्व-गणना पहल में

भाग लिया और अपने अपने आवास संबंधी जानकारी दर्ज की। बाद में मुर्मु ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में लिखा कि उन्होंने राष्टपति भवन में जनगणना 2027 के लिए सरकार की स्व-गणना पहल में भाग लिया। राष्ट्रपति ने गृह सचिव गोविंद मोहन, भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में पोर्टल पर अपने आवास का विवरण स्वयं दर्ज किया। उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी अपने आवास पर अपने अपने विवरण दर्ज किए। उन्होंने सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा करते हुए फॉर्म में विवरण दर्ज करने के फोटो भी साझा किए।

आज से स्व-गणना 08 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में शुरू

जनगणना की इस राष्ट्रीय प्रक्रिया में जनभागीदारी के महत्व को रेखांकित करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भी पोर्टल के माध्यम से स्व-गणना की। बता दें कि प्रारंभिक चरण में आज से स्व-गणना प्रक्रिया 08 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में शुरू की गई है, जिनमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा, सिक्किम और राजधानी दिल्ली के नई दिल्ली नगरपालिका परिषद एवं दिल्ली छावनी बोर्ड क्षेत्र शामिल हैं। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार पहले दिन इन स्थानों से लगभग 55,000 परिवारों ने पहले ही दिन इस सुविधा का लाभ उठाया।

16 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध

स्व-गणना एक सुरक्षित और वेब आधारित सुविधा है, जो 16 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है। पहली बार उत्तरदाताओं को प्रगणकों के आने से पहले अपनी सुविधानुसार ऑनलाइन विवरण भरने का विकल्प उपलब्ध है। मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का चरण 01 अप्रैल से 30 सितंबर, 2026 के बीच पूरे देश में संचालित किया जाएगा। इस छह माह की अवधि में प्रत्येक राज्य और संघ राज्य क्षेत्र, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार द्वारा अधिसूचित 30 दिनों की अवधि में इस क्षेत्रीय कार्य को पूरा करेंगे।

किराएदार के घर में जबरन घुसना पड़ा भारी, मकान मालिक को जेल

» बंगलुरु, ऐजेंसी।

किराएदारों के अधिकारों को लेकर एक अहम फैसला देते हुए केरल हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि कोई भी मकान मालिक अपने किराए पर दिए गए घर में बिना अनुमति जबरन प्रवेश नहीं कर सकता है। अदालत ने इस मामले में दोषी पाए गए मकान मालिक को सजा सुनाते हुए लोअर कोर्ट और अपीलीय अदालत के फैसले को बरकरार रखा।

जस्टिस जोबिन सेबेस्टियन की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि कोई भी व्यक्ति, भले ही वह मकान का मालिक क्यों न हो, किसी दूसरे के वैध कब्जे वाली जगह में गैरकानूनी तरीके से प्रवेश नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि मालिकाना हक के नाम पर कानून तोड़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती, खासकर तब जब प्रवेश का उद्देश्य किसी गैरकानूनी काम को अंजाम देना हो।

यह मामला उस समय सामने आया जब एक मकान मालिक पर

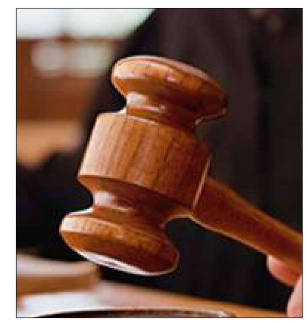

आरोप लगा कि उसने किराएदार के घर में जबरन घुसकर उसका सामान बाहर फेंक दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, किराएदार ने जिस कमरे को किराए पर लिया था, उसमें मकान मालिक ने बिना अनुमति प्रवेश किया और उसके घरेलू सामान को बाहर निकाल दिया, जिससे आर्थिक नुकसान भी हुआ।

लोअर कोर्ट ने मकान मालिक को भारतीय दंड संहिता की धारा 454 (अपराध के इरादे से घर में घुसना) और धारा 427 (संपत्ति को नुकसान पहुंचाना) के तहत दोषी ठहराया है।

एसटीएफ ने पचास हजार के ईनामी उधम सिंह गैंग के शॉर्प शूटर मोंटी को किया ढेर

कारोबारी से पांच करोड़ रंगदारी मांगने में था वांछित

एनकाउंटरः

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज जागरण।

मुरादाबाद। यूपी एसटीएफ और मुरादाबाद पुलिस ने बुधवार को संयुक्त ऑपरेशन में कुख्यात उधम सिंह गैंग के शार्प शूटर आशु चड्ढा उर्फ मोंटी को मुठभेड़ में मार गिराया। 50 हजार का इनामी मोंटी शहर के एक निर्यातक से 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और हत्या के प्रयास के मामले में वांछित था। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के बाद घायल बदमाश को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके खिलाफ गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ,

बुलंदशहर और मुरादाबाद में कुल 36 संगीन मुकदमे दर्ज थे।

एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि आशु चड्ढा उर्फ मोंटी (निवासी मीरपुर कला, हापुड़) पश्चिमी उत्तर प्रदेश का कुख्यात अपराधी था। हाल ही में उसने मुरादाबाद के एक प्रतिष्ठित निर्यातक अरशू ढल से 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी और उन पर जानलेवा हमला भी किया था। इसके बाद से एसटीएफ मेरठ फील्ड यूनिट और मुरादाबाद पुलिस की टीमें उसकी तलाश में जुटी थीं।

बुधवार को सटीक सूचना पर एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम ने सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में पोस्टमार्टम हाउस के पास घेराबंदी की। खुद को घिरता देख मोंटी ने पुलिस टीम पर अत्याधुनिक हथियारों से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस टीम ने उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जेल में बना शार्प शूटर, 2010 से शुरू अपराध का सफर

पुलिस के मुताबिक, आशु चड्ढा का आपराधिक इतिहास वर्ष 2010 से शुरू हुआ, जब वह हत्या के एक मामले में पहली बार जेल गया था। जेल में ही उसका संपर्क पश्चिमी यूपी के कुख्यात उधम सिंह गैंग से हुआ। जमानत पर बाहर आने के बाद वह गैंग का सक्रिय सदस्य बन गया और शार्प शूटर के रूप में हत्या, लूट, डकैती और गैंगस्टर एक्ट जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने लगा। उसके खिलाफ विभिन्न जिलों में कुल 36 मुकदमे दर्ज थे।

मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में असलहा बरामद

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने मौके से एक स्विफ्ट कार, .32 बोर की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री मेड पिस्टल, .32 बोर की रिवॉल्वर और 12 बोर की बंदूक बरामद की है। इसके अलावा बड़ी संख्या में खोखा और जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं, जिससे साफ है कि बदमाश पुलिस से मुकाबले की पूरी तैयारी के साथ आया था।

सुप्रीम कोर्ट की केंद्र को फटकार, बेवजह मुकदमेबाजी करने पर 25 हजार जुर्माना

» नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्र सरकार को अनावश्यक मुकदमेबाजी में पड़ने के लिए फटकार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस पर 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश केंद्र की उस याचिका पर दिया है जिसमें पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा एक सीआईएसएफ अधिकारी की बर्खास्तगी को रद्द करने के आदेश को चुनौती दी गई थी। उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखते हुए न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और उज्जल भुइयां की पीठ ने सजा को असंगत पाते हुए अधिकारी को बकाया वेतन देने का भी आदेश दिया।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा, हमें समझ नहीं आ रहा कि भारत सरकार ने उच्च न्यायालय की खंडपीठ के आदेश को चुनौती क्यों दी है। हम बातें सुनते हैं कि मामले लंबित हैं। आखिर सबसे बड़ा मुकदमेबाज कौन है? हर्जाना लगाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ऐसा क्यों

नहीं हो सकता कि अगर उच्च न्यायालय ने इसे अनुचित पाया और सभी आदेशों को रद्द करते हुए राहत प्रदान की, तो हम उच्चतम न्यायालय न जाएं?

उन्होंने कहा, यह सिर्फ किसी रिसॉर्ट में जाकर वापस आने की बात नहीं थी। हमने तैयारियां कीं, हमने पूरी जानकारी जुटाई। हमने बात की। महज इसलिये नहीं कि हम भूल जाएं। सीआईएसएफ अधिकारी के खिलाफ दो आरोप लगाए गए थे - पहला 11 दिनों तक ड्यूटी से अनुपस्थित रहने और दूसरा, एक महिला, जोकि एक सीआईएसएफ कांस्टेबल की बेटी थी, के साथ मिलकर मुंबई से भागने और अपने छोटे भाई के साथ उसकी शादी में शामिल होने की साजिश रचकर अनुशासनहीनता का कार्य करने का।

स्वीकृत चिकित्सा अवकाश पर थे दोनो अधिकारी

उच्च न्यायालय ने इस बात पर संज्ञान लिया कि 11 दिनों की अनुपस्थिति की अवधि के दौरान अधिकारी स्वीकृत चिकित्सा अवकाश पर थे। अदालत ने कहा, प्रतिवादी-याचिकाकर्ता के भाई के साथ भाग जाने के दूसरे आरोप के संबंध में, यह रिकॉर्ड पर आया है कि महिला स्वयं अनुशासनात्मक कार्यवाही के दौरान उपस्थित हुई और उसने कहा कि उसे प्रतिवादी-याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई शिकायत नहीं है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शशिकान्त तिवारी द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस, 102/52/1, बायसी की मस्जिद, नवाब कज्जन का हाता, मॉडल हाऊस, हुसैनगंज, लखनऊ (उ0प्र0) से मुद्रित एवं मीडिया हाउस, 20-ए, शिवाजी मार्ग, हुसैनगंज, लखनऊ- 226001 (उ0प्र0) से प्रकाशित।
ईमेल: swarajjagran.up@gmail.com | संपादक: रतन प्रकाश सिंह, मोबा: 6387745932

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित लेख-समाचार, लेखकों के अपने विचार एवं प्राप्त सूचनाओं पर आधारित हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।